mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-49 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

20 अगस्त 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पंजाब में आतंकी संगठन बीकेआई की बड़ी साजिश नाकाम

राजस्थान-कोलकाता से गिरफ्तार गुर्गों से ग्रेनेड मिला

जालंधर,एजेंसी। पंजाब पुलिस की जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने बड़ी आतंकी साजिश नाकाम कर दी है। टीम ने बीकेआई (बब्बर खालसा इंटरनेशनल) से जुड़े गुर्गों से पूछताछ के बाद आतंकी वारदात में इस्तेमाल किया जाने वाला 86पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है।

इससे पहले कुछ दिन पहले काउंटर इंटेलिजेंस ने राजस्थान निवासी आतंकी रितिक नरोलिया और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि रितिक और नाबालिग से पूछताछ के बाद मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए उनके सहयोगियों को भी पकड़ा गया।

इनमें विश्वजीत को कोलकाता से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह मलेशिया भागने की कोशिश कर रहा था, जबकि जैक्सन को नकोदर से दबोचा गया। इन्हीं गिरफ्तारियों के आधार पर हैंड ग्रेनेड बरामद किया जा सका और एक बड़ी आतंकी घटना होने से पहले ही रोक दी गई।

असम सीएम बोले- संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं

राज्य में अजनबी लोग आ रहे, अगर सीमा पार की तो गिरफ्तार होंगे

गुवाहाटी,एजेंसी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया देश के कुछ हिस्सों से कुछ अजीबो-गरीब लोग असम आ रहे हैं, अगर वे सीमा पार करेंगे तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मीडिया से बात करते हुए सरमा ने कहा कि ये लोग मुंबई और केरल के वकील थे। हम उन पर नजर रख रहे हैं। वे राज्य में एनआरसी अपडेट किए जाने के वक्त भी आए थे और उन्होंने पूरी प्रक्रिया को बिगाड़ दिया था। सरमा ने कहा- हम किसी भी कट्टरपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेंगे, चाहे वे केरल से हों, मुंबई से या दिल्ली से। ये कट्टरपंथी हैं जो कुछ वर्गों की गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं और उनका संरक्षण करते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी में विपक्ष

● इंडिया ब्लॉक की बैठक में मंथन; संसद में शीतकालीन सत्र में नोटिस पर विचार

नई दिल्ली/गयाजी,एजेंसी। वोट चोरी के आरोपों और बिहार में वोटर्स लिस्ट स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विपक्ष ने हमला तेज कर दिया है। विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. ब्लॉक CEC के खिलाफ अब महाभियोग लाने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को खड़गे की अध्यक्षता में उनके घर पर I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक में इस पर मंथन हुआ। बैठक के बाद कांग्रेस, TMC, सपा, DMK, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके बाद 20 पार्टियों के हस्ताक्षर से बयान जारी हुआ। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा- CEC भाजपा प्रवक्ता की तरह बोल रहे हैं। TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा- संसद के मौजूदा सत्र (मानसून सत्र) में 3 दिन बाकी हैं। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। CEC के रवैये को देखते हुए हम अगले सत्र (शीतकालीन सत्र) में नोटिस देंगे। राहुल बोले- वोट चोरी करने वाले जान लें, यह सरकार हमेशा नहीं रहेगी इधर, राहुल ने बिहार में SIR के खिलाफ और वोट चोरी को लेकर 17 अगस्त से वोट अधिकार यात्रा भी शुरू की है। राहुल ने यात्रा के दूसरे दिन (18 अगस्त) को राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ गयाजी में जनसभा की।

केंद्र बताए ड्रैगन को लेकर रुख में बदलाव क्यों? पीएम मोदी की चीन यात्रा पर ओवैसी का तीखा सवाल

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। ऐसे में अब इस बात को लेकर भारत में सियासत तेज हो गई है। पीएम मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख

असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के इस यात्रा से पहले केंद्र सरकार से चीन को लेकर अपना रुख साफ करने की मांग की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने चीन के तियानजिन जाने वाले हैं। चीन ने इस यात्रा का स्वागत किया है और इसे सहयोग और विकास का प्रतीक बताया है।

अजीत डोभाल से मिले चीनी विदेश मंत्री; सीमा पर शांति और पीएम मोदी की चीन यात्रा को लेकर हुई बात

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत दौरे पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के बीच मंगलवार को अहम बैठक हुई। इस दौरान डोभाल ने कहा कि सीमा पर शांति और सौहार्द बना हुआ है। मुझे उम्मीद है कि विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता सफल होगी। हमारे प्रधानमंत्री एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन का दौरा करने वाले हैं। इसलिए आज की वार्ता बहुत महत्वपूर्ण है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल ने कहा, एक सकारात्मक रुख देखने को मिला है। सीमा पर शांति है। सौहार्द बना हुआ है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मजबूत हुए हैं। हम अपने नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने पिछले अक्तूबर में कजान में एक नया रुख स्थापित किया और तब से हमें काफी फायदा हुआ है। जो नया माहौल बना है, उससे हमें उन विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने में मदद मिली है, जिन पर हम काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए डेडलाइन बनाने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सीजेआई की बेंच ने केंद्र और राज्य को 12 अगस्त तक पक्ष रखने को कहा था

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के लिए कोई समयसीमा तय की जा सकती है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होगी। इससे पहले 29 जुलाई को मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने केंद्र और सभी राज्यों को 12 अगस्त तक लिखित पक्ष जमा करने को कहा था। बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। बेंच ने बताया था कि 19 अगस्त को केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों की प्रारंभिक आपत्तियों पर एक घंटे की सुनवाई होगी, जिन्होंने इस राष्ट्रपति के रेफरेंस की वैधता पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने कहा था, 19, 20, 21 और 26 अगस्त को केंद्र और रेफरेंस का समर्थन करने वाले राज्यों की दलीलें सुनी जाएंगी। वहीं, 28 अगस्त और 2, 3 और 9 सितंबर को विरोध करने वाले राज्यों की सुनवाई होगी। जवाबी दलीलें 10 सितंबर को सुनी जाएंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से क्या राय मांगी थी- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल विधेयकों पर फैसला लेने में अनिश्चित काल तक देरी कर सकते हैं या कोई समयसीमा तय की जा सकती है।

अदालतें चुनाव अमान्य करने में जल्दबाजी न करें; शीर्ष अदालत में दो जजों की पीठ का अहम आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि किसी उम्मीदवार ने अपनी संपत्ति के बारे में कुछ जानकारी का खुलासा नहीं किया है, अदालतों को अत्यधिक पांडित्यपूर्ण दृष्टिकोण अपनाकर चुनाव को अमान्य करने की जल्दबाजी नहीं दिखानी चाहिए। खासकर तब जब कि इससे चुनाव के नतीजे प्रभावित न हों। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, कि यह पता लगाना होगा कि क्या इस तरह का छिपाव या खुलासा न करना इतना बड़ा और व्यापक था कि इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकता था। पीठ ने कहा, हमारी राय में, असली परीक्षा यह होगी कि क्या किसी भी मामले में संपत्ति के बारे में जानकारी का खुलासा न करना परिणाम का प्रभावित करने वाला या अप्रासंगिक है, जिसका निष्कर्ष चुनाव को वैध या अमान्य घोषित करने का आधार होगा। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि जहां तक संपत्ति और शैक्षिक योग्यता का संबंध है, इसकी घोषणा की आवश्यकता को अनुचित रूप से बढ़ा-चढ़ाकर किसी वैध घोषित चुनाव को, मामूली तकनीकी आधार पर अमान्य नहीं किया जाना चाहिए। यह जनादेश को रद्द करने का आधार नहीं होना

चाहिए। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि जनता की आवाज और सामूहिक विवेक का सम्मान किया जाना चाहिए, जिसे ईश्वरीय सत्ता के सर्वोच्च पद पर भी रखा जा सकता है। पीठ ने कहा, उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि जानने का मतदाता के अधिकार, को मतपेटियों के माध्यम से व्यक्त जनादेश के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। जनादेश ही लोकतंत्र का मूल है। इसके साथ ही न्यायालय ने 3 दिसंबर, 2023 को हुए तेलंगाना विधानसभा चुनावों में बीआरएस उम्मीदवार के रूप में कोवा लक्ष्मी के निर्वाचन के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार अजमेरा श्याम द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि विजयी उम्मीदवार की ओर से फॉर्म 26 हलफनामे में पिछले पांच वित्तीय वर्षों में से चार वर्षों के आयकर रिटर्न का खुलासा न करना कोई महत्वपूर्ण दोष नहीं था।

आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा अनिवार्य : पीठ ने अपने फैसले में कहा, चुनावी प्रक्रिया में आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा चुनावी प्रक्रिया की शुद्धता बनाए रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, जिसका पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। साथ ही, संपत्ति और शैक्षिक योग्यता का खुलासा चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के रूप में माना जाता है। यह महत्वपूर्ण है या महत्वहीन, इस बारे में विचार करने की गुंजाइश है।

आयकर रिटर्न, आय के स्रोत का विवरण नहीं

न्यायालय ने कहा, उम्मीदवारों के बारे में पूरी जानकारी पाने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का एक अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन आयकर रिटर्न, आयकर प्राधिकरण की ओर से मूल्यांकन हेतु वित्तीय रूप से एक घोषणा है, जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति की संपत्तियों और आय पर कराधान करना भर है। तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा चुनाव याचिका खारिज करने के फैसले को बरकरार रखते हुए पीठ ने कहा, इसे संपत्ति के अस्तित्व या आय के स्रोत के तथ्यात्मक विवरण के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा

राहुल ने विरोध करते भाजपा कार्यकर्ताओं को दी फ्लाइंग किस

तेजस्वी बोले- राहुल अगले प्रधानमंत्री होंगे

नवादा/गयाजी, एजेंसी। वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी गयाजी से नवादा पहुंचे। यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव ने लोगों को संबोधित किया। तेजस्वी ने कहा, आप लोग आने वाले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनाइए और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री।

वहीं, राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच पार्टनरशिप है। ये मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपसे वोट छीन रहे हैं।

फिलहाल, राहुल गांधी की यात्रा नवादा के ।T। कॉलेज कैंपस में रुकी है। लंच के बाद राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें तेजस्वी यादव और माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य भी मौजूद रहे।

विरोध कर रहे BJP नेताओं को दी फ्लाइंग किस : यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने हिसुआ पुलिस थाने से राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। राहुल ने गाड़ी रुकवाकर उन्हें थम्स-अप किया, फिर फ्लाइंग किस देकर मुस्कुराते हुए आगे निकल गए।

इससे पहले वजीरगंज ब्लॉक में काफिला अचानक रुका और राहुल-तेजस्वी मेन रोड से 500 मीटर अंदर मनैनी गांव पहुंचे। यहां देवी मंदिर में उन्होंने लोगों से मुलाकात की। उनका हालचाल जाना, समस्या पूछी।

साथ ही संविधान और मताधिकार बचाव के बारे में लोगों को जागरूक किया। राहुल करीब आधे घंटे से ज्यादा यहां रुके। इस दौरान उन्हें देखने के लिए कार्यकर्ता JCB पर चढ़ गए।

एनडीए संसदीय दल की बैठक में उपराष्ट्रपति कैंडिडेट को सम्मानित किया

मोदी बोले- राधाकृष्णन सरल और सहज व्यक्ति, वे राजनीति में खेल नहीं करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें पीएम मोदी भी शामिल हुए। मोदी ने बैठक में महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी और सम्मानित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि राधाकृष्णन सरल और सहज व्यक्ति हैं। वे राजनीति में खेल नहीं करेंगे। इस दौरान राधाकृष्णन को एनडीए के सभी सहयोगी दलों के सांसदों से भी मिलवाया गया।

बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि पीएम ने विपक्ष समेत सभी दलों से सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद पर सर्वसम्मति से चुनने की अपील की है।

17 अगस्त को भाजपा संसदीय बोर्ड बैठक के बाद NDA की तरफ से राधाकृष्णन के नाम का ऐलान किया गया था। राधाकृष्णन 20 अगस्त को सुबह 11 बजे अपना नामांकन दाखिल

करेंगे।

इस दौरान 20 प्रस्तावकों और 20 समर्थकों समेत लगभग 160 सदस्यों के मौजूद रहने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होने हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ के इस्तीफे के बाद, चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की घोषणा की थी।

मानसून सत्र शुरू होने के बाद NDA सांसदों की दूसरी बैठक 21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र चल रहा है। 21 अगस्त को मानसून सत्र का आखिर दिन है। इससे दौरान, आज होने वाली बैठक NDA सांसदों की दूसरी बैठक है। जून 2024 से अब तक, केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार में आने के बाद किसी संसद सत्र के दौरान NDA सांसदों की यह तीसरी बैठक होगी।

इससे पहले 5 अगस्त को NDA सांसदों की बैठक हुई थी। इसमें NDA सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर पीएम नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम को हार पहनाया। सांसदों ने हर-हर महादेव, भारत माता की जय के नारे लगाए थे।

मुंबई में लगातार बारिश से सड़कें डूबीं, घर-दुकानों में भारा पानी

250 से ज्यादा लाइट्स लेट, लोकल ट्रेन सर्विस भी डाउन; हिमाचल के कुल्लू में बादल फटा

मुंबई/लखनऊ,एजेंसी। मुंबई में लगातार बारिश का हालात बिगड़ने लगे हैं। मंगलवार को भी तेज बारिश जारी है। सुबह 4 बजे से 11 बजे तक औसतन 150एमएम से अधिक बारिश हुई। बिक्रोली में सोमवार सुबह 8.30 बजे से लेकर मंगलवार सुबह 8.30 बजे तक 255एमएम बारिश हुई।

लगातार बारिश के कारण मुंबई के कई इलाकों में पानी भरा हुआ है। मीठी नदी का जलस्तर 3.9 मीटर बढ़ने के कारण कुर्ला क्रांति नगर एरिया में पानी भर गया। यहां से 350 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।

BMC ने कल की तरह आज भी मुंबई में स्कूल-कॉलेज बंद रखे हैं। साथ ही कई सभी गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद रखे गए हैं। मुंबई में बारिश के कारण 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं।

मुंबई में ज्यादातर सड़कों पर 2-4 फीट तक पानी भरा है। मुंबई में अंधेरी सब-वे भी पानी भरने के कारण बंद है। साथ ही कई सारे अंडर ब्रिज में भी पानी भरा है। मुंबई में लोकल ट्रेन सर्विस भी बारिश से प्रभावित है।

हार्बर लाइन का ट्रैक पानी में डूबा है। कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें लोग रेलवे ट्रैक पर चलते नजर आ रहे हैं। राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 7 लोगों की मौत हुई है। कई लोग घायल हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात 1 बजे बादल फटा। तेज बहाव में 3 दुकानें बह गईं। भूतनाथ के पास ब्यास नदी के उफान पर होने के कारण सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। यहां पुल भी तेज बहाव में बहा है।

ठाणे में बारिश का कहर, 4 महीने में 20 लोगों की मौत

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिछले 4 महीनों में बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 1842.9mm बारिश दर्ज की गई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर संदीप माने ने बताया कि मई से अब तक हुई इन मौतों के कारणों में पेड़ गिरना, डूबने, बिजली गिरना और करंट लगने होने वाली मौत शामिल हैं।

दिल्ली में स्कूल फीस नियंत्रण अधिनियम लागू, एलजी से मंजूरी मिलने के बाद सरकार ने किया अधिसूचित

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम 2025 लागू हो गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसे अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसके बाद सरकार ने इसे अधिसूचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कानून अब शिक्षा के व्यावसायिकरण पर अंकुश लगाएगा और स्कूलों की फीस निर्धारण में पारदर्शिता, जवाबदेही व निष्पक्षता सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक में अभिभावकों की संवेदनाओं को प्राथमिकता दी गई है। वे स्कूल फीस के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विधानसभा में 8 अगस्त को ये विधेयक पारित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधेयक दिल्ली के लाखों अभिभावकों के लिए एक ऐतिहासिक जीत है। कई साल से अभिभावक निजी स्कूलों की मनमानी शुल्क वृद्धि से परेशान थे।

मनमानी फीस पर लगेगी लगाम : मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावक, शिक्षक, स्कूल प्रबंधक और सरकार के प्रतिनिधि स्कूल स्तरीय फीस नियंत्रित समिति में शामिल होंगे। अब फीस बढ़ाने के लिए पहले प्रस्ताव लाना होगा। यह विधेयक फीस को बढ़ने से रोकने के लिए बहु-स्तरीय शिकायत निवारण सुविधा देगा। फीस के कारण छात्रों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। एक बार स्वीकृत की गई फीस फिर तीन साल तक नहीं बढ़ेगी, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ का असर कम होगा।

पिछली सरकारों ने गंभीरता से नहीं लिया : मुख्यमंत्री का कहना है कि पिछली सरकारों ने फीस बढ़ने के मामले को गंभीरता से नहीं लिया। शिक्षा मॉडल का झूठ फैलाया, लेकिन न तो फीस सिस्टम को दुरुस्त किया न ही शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रयत्न किए। कुछ स्कूलों ने तो बेखौफ 30-45 प्रतिशत तक फीस बढ़ाई।

शिक्षा विधेयक की खासियत : अब कोई भी स्कूल तय की गई फीस से ज्यादा धनराशि नहीं वसूल सकेगा। हर स्कूल में फीस समिति होगी, इसमें प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक, महिलाएं और वंचित वर्ग के लोग शामिल होंगे, ताकि फीस तय करने में सबकी भागीदारी होगी। जिले में शिकायत निवारण समिति, फीस से जुड़ी शिकायतें और विवाद वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में सुलझाएगी। उच्चस्तरीय समिति जिला स्तर के फैसलों पर अपील की जांच करेगी, ताकि कोई भी पक्षपात न हो। स्वीकृत फीस का ब्योरा नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और हिंदी, अंग्रेजी व स्कूल की भाषा में खुले रूप में प्रदर्शित होगा। एक बार तय हुई फीस तीन शैक्षणिक साल तक वही रहेगी।

भतीजे ने चाकू से हमला कर चाचा को उतारा मौत के घाट,

नई दिल्ली, एजेसी। राजधानी दिल्ली के सुंदर नगरी में चाकू से हमला कर भतीजे ने चाचा को मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अपराध और एफएसएल टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल की जाँच की। मामले को लेकर नंद नगरी थाने में धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक शाम लगभग 07-51 बजे, जी-ब्लॉक, सुंदर नगरी में चाकू मारने की घटना की सूचना नंद नगरी थाने में दी गई। मौके पर पहुँचने पर पुलिस टीम ने पाया कि लगभग 48 वर्षीय शख्स को उसके परिवार के सदस्य पहले ही जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आगे की पूछताछ में पता चला कि शख्स ने अपनी नाबालिग भतीजी को किसी बात पर डाँटा था, इससे क्षुब्ध होकर, भतीजी ने अपने भाई को इसकी सूचना दी। बहन की शिकायत पर भाई ने अपने चाचा को चाकू मार दिया जिससे उनकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एक और आईएएस ने राजस्थान छोड़ा, दो वर्षों में 9 अफसरों ने दिल्ली का रुख किया

दिल्ली/ जयपुर एजेंसी। राजस्थान से आईएएस अफसरों का पलायन थम नहीं रहा है। राजस्थान कैडर के एक और आईएएस ने अपनी प्रतिनियुक्ति दिल्ली करवा ली है। स्थानीय निकाय में निदेशक के पद पर तैनात इंद्रजीत सिंह अब दिल्ली में केंद्र सरकार में अपनी सेवाएं देंगे। राज्य सरकार से एनओसी मिलने के बाद अब केंद्र सरकार के स्तर पर भी इंद्रजीत को विभाग आवंटित कर दिया गया है। दिल्ली स्थित संस्कृति मंत्रालय में निदेशक पद इनकी नियुक्ति हुई है। मौजूदा सरकार में ये नौवें आईएएस हैं जिन्होंने राजस्थान छोड़कर दिल्ली का रास्ता पकड़ा है। इनसे पहले गौरव गोयल, पीसी किशन, भानू प्रकाश एटरू, अंश दीप, आशीष गुप्ता, आशुतोष ए टी पेंढनेकर, और भगवती प्रसाद कलाल भी दिल्ली का रुख कर चुके हैं। केंद्र सरकार में अब राजस्थान कैडर के प्रतिनियुक्ति पर गए आईएएस अफसरों की संख्या बढ़कर 22 हो चुकी है। वहीं 2024 से अब तक 31 आईएएस अफसर रिटायर भी हो चुके हैं। इसी साल मई में 3 आईएएस तथा जुलाई में 2 आईएएस रिटायर हो चुके हैं।

54 आईएएस अफसरों के पास एडिशन चार्ज : राजस्थान में 54 आईएएस अफसरों के बाद फिलहाल एडिशनल चार्ज है। इनमें अपेक्स लेवल के आईएएस भी शामिल हैं। इनमें ज्यादातर महकमें वह हैं जो पब्लिक डीलिंग से जुड़े हुए हैं। इनमें कई आईएएस अफसर ऐसे हैं जिनके पास 4-4 एडिशन चार्ज हैं। हालांकि सोमवार को प्रदेश को अन्य सेवाओं से चार नए आईएएस मिल चुके हैं। इनमें नितीश कुमार शर्मा, नरेश कुमार गोयल, अमिता शर्मा और नरेंद्र कुमार मंघानी के नाम शामिल हैं। 13 सेवाओं के 35 अफसरों ने आवेदन किया था। कृषि, कृषि विपणन, हेल्थ, कॉलेज शिक्षा से लेकर सहकारिता जैसी सेवा के अफसर रह गए और 3 दूसरी सेवाओं के 4 अफसर आईएएस बन गए। सांख्यिकी सेवा से नरेंद्र मंगानी और नीतीश शर्मा हैं। लेखा सेवा से अमिता शर्मा और बीमा सेवा से नरेश कुमार गोयल आईएएस बने हैं।

अगवा कर नाबालिग को 20 हजार में 40 साल के अविवाहित को बेचा, शादी कर करता रहा दुष्कर्म

दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के भारत नगर में रहने वाली नाबालिग मां-बाप से परेशान होकर घर से निकल गई और मेरठ रेलवे स्टेशन पहुंच गई। वहां 13 साल की किशोरी को अकेला देख आरोपियों ने अगवा कर 40 साल के अविवाहित को बेच दिया। आरोपी ने किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उससे शादी कर ली और दुष्कर्म करता रहा। छानबीन के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची और 26 दिन बाद किशोरी को ढूंढ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए चारों आरोपी यूपी के है। इनकी पहचान गांव झाल, शामली निवासी राजीव (40), गांव कंडोला, हापुड़ निवासी विकास (20), गांव जेठपुरा, मेरठ निवासी आशु (55) और विजय नगर, गाजियाबाद निवासी रमनजोत सिंह (24) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चार फर्जी आधार कार्ड भी बरामद किया है। किशोरी अपने घर से नाराज होकर निकली थी। वह ट्रेन में सवार होकर मेरठ पहुंच गई थी। रेलवे स्टेशन पर उसे विकास और आशु मिले। इन लोगों ने किशोरी को बेचने की नीयत से अगवा कर लिया। बाद में शादी करने के लिए राजीव ने 20 हजार रुपये देकर उसे खरीद लिया। आरोपियों ने रमनजोत की मदद से किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाया। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 21 जुलाई की रात को एक महिला भारत नगर थाने पहुंची। पीड़िता ने बताया कि उसकी 13 साल की बेटी शाम के समय जेजे कॉलोनी वजीरपुर में ट्यूशन पढ़ने गई थी। इसके बाद वह नहीं लौटी। पुलिस ने फौरन महिला के बयान पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। मामले की छानबीन के लिए भारत नगर थाना प्रभारी राम किशोर व अन्यों की टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल से किशोरी इंद्रलोक बस स्टैंड के पास दिखाई दी। पुलिस ने उसके आधार पर करीब 30 मोबाइल फोन की पड़ताल की। इसके बाद टीम को मथुरा, रोहिणी, पलवल, द्वारका, शकूरपुर और दूसरे स्थानों पर खोजा गया। सीसीटीवी की पड़ताल करते हुए टीम मेरठ पहुंची। वहां से पता चला कि किशोरी को शामली के झाल गांव निवासी राजीव को शादी के लिए बेच दिया गया है।

32 से ज्यादा स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, इस साल 100 से ज्यादा शिक्षण संस्थानों को धमकियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के 32 से ज्यादा स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली। उसके बाद पुलिस व स्कूल प्रशासनों में हड़कंप मच गया। धमकी के बाद छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस की कई टीमें मौके पर भेजी गई। जांच के बाद अधिकारियों ने इसे झूठी धमकी बताया। हालांकि ज्यादातर स्कूलों में बच्चों को इस बार घर नहीं भेजा गया था। स्कूलों में चेकिंग के बाद जब कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला तो कक्षाएं शुरू कर दी गईं।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), वंदना इंटरनेशनल स्कूल, मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल और श्रीराम वर्ल्ड स्कूल को सुबह ई-मेल के जरिए धमकी मिली। उसके बाद स्कूलों की संख्या बढ़ती गई। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि उनके जिले में 13 स्कूलों में बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल मिले थे। उन्होंने बताया कि हालांकि तलाशी अभियान के दौरान किसी भी स्कूल में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि दक्षिण जिले में स्थित 7 स्कूलों को बम से उड़ाने के धमकी भरे मेल मिले। इसमें साकेत के बिड़ला विद्या निकेतन व अमेटी इंटरनेशनल समेत 6 स्कूल शामिल हैं। इसके अलावा सेंट्रल के एक स्कूल और द्वारका के 11 स्कूल शामिल हैं। धमकी मिलने के बाद सभी स्कूलों में बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड समेत कई पुलिस इकाइयों ने कैंपस की तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान कहीं से भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला। डीपीएस द्वारका ने बाद में एक आधिकारिक बयान जारी कर सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला किया और कहा कि छात्र-छात्राओं को तुरंत घर भेजा जा रहा है। बस और वैन से आने-जाने वाले बच्चों की जानकारी अभिभावकों को भेजी जा रही है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साइबर फॉरेंसिक टीमें ई-मेल हेडर और फुटप्रिंट का विश्लेषण कर रही हैं ।

पानी की किल्लत पर आतिशी ने सीएम को लिखा पत्र, कहा- कई हिस्सों में नलों से नहीं आ रहा जल

नई दिल्ली, एजेसी । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर बढ़ते जल संकट पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मानसून के बीच भी दिल्ली के कई हिस्सों में नलों से पानी नहीं आ रहा है, जबकि सड़कों पर जलभराव से लोग परेशान हैं। यह भाजपा सरकार की बदइंतजामी और कुप्रबंधन का सबसे बड़ा सबूत है। आतिशी ने कहा कि कालकाजी, बदरपुर, ओखला, दक्षिण और मध्य दिल्ली सहित कई इलाकों में नलों से पानी पूरी तरह गायब हो चुका है। उन्होंने सवाल किया कि जब मानसून में पानी की यह स्थिति है तो आने वाली गर्मियों में हालात कितने भयावह होंगे। उन्होंने भाजपा की चार इंजन सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए कहा कि दिल्ली की जनता से किया गया वादा पूरा करने में यह सरकार नाकाम रही है। भारी वर्षा के बावजूद राजधानी में पानी की किल्लत होना चौंकाने वाली बात है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भाजपा सरकार और दिल्ली जल बोर्ड की तैयारी एवं कार्यक्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने जल आपूर्ति को दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

हिमालय संरक्षित रहेगा तो जल, जंगल और जीवन रहेगा: त्रिवेन्द्र

जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में डॉ भरत पाठक सम्मानित हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। वन अग्नि की समस्या और पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषय पर केंद्रित 'हिमालय की हृदय विदारक पुकार' का विशेष मंचन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वांग्नि लघु चलचित्र दिखाया भी गया । इस अवसर पर हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और अपने विचार रखे।

रावत ने कहा कि इस कार्यक्र लघु फिल्म का मंचन देखना एक अत्यंत भावुक एवं विचारोत्तेजक अनुभव रहा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिमालय केवल भूगोल नहीं, बल्कि हमारी जीवन रेखा है। उसके संरक्षण के बिना न जल रहेगा, न जंगल और न ही जीवन। वन अग्नि जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास और जनजागरण ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। कार्यक्रम में वांग्नि वैज्ञानिक दीपक वार्ष्णेय को वांग्नि पुरुष को मंच पर सप्तऋषि स्वरूप विभूतियों द्वारा वांग्नि पुरुष से अलंकृत किया गया। जलपुरुष राजेंद्र सिंह ने एक बार फिर पूरे उत्साह के साथ सबको एक जुट होकर प्रकृति को बचाने का आह्वान किया। भरत पाठक ने अपने विचारों से एक नई ऊर्जा का संचार करते हुए सबको कार्यक्रम की बधाई दी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, वन अग्नि नियंत्रण और हिमालय की रक्षा के लिए ठोस रणनीतियों पर विस्तृत विचार मंथन किया। सांसद रावत ने उपस्थित सभी हिमालय प्रेमियों से आह्वान किया कि वे प्रकृति की रक्षा और हिमालय के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण हेतु एकजुट होकर संकल्प लें। सांसद रावत ने कार्यक्रम के आयोजक महावीर राधा जांगड़ा और थ्री मस्कटर्स मीडिया को इस संवेदनशील विषय पर सार्थक पहल के लिए शुभकामनाएँ भी दीं।

इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् डॉ. भरत पाठक, डॉ. अपर्णा सोपोरी, शिक्षाविद डॉ. ऋचा सूद, अंतर्राष्ट्रीय एथलीट, पद्मश्री कमलिनी अस्थाना और पद्मश्री नलिनी अस्थाना (विश्व प्रसिद्ध कथक नृत्यांगनाएं) पद्मश्री वसीफ़ुद्दीन डागर द्रुपद गायक, सामाजिक उद्यमी डॉ नंदिता पाठक सहित बड़ी संख्या में हिमालय प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेन्द्र मिश्रा जी विशेष संवाददाता दूरदर्शन ने किया । महावीर राधा जांगड़ा जी द्वारा बनायी गई 'अ क्राई फ़्रम हिमालया हार्ट' फ़िल्म के स्क्रीनिंग में रहे , ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर बनायी गई फ़िल्म को आए हुए सभी लोगों ने सराहा।

भारत की कई यूनिवर्सिटी के जाली सर्टिफिकेट के साथ कानपुर का युवक नेपाल में गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भैरहवा पुलिस ने भारत के उत्तर प्रदेश में कानपुर शहर के निवासी अभिषेक यादव को एक दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों के जाली सर्टिफिकेट के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो बड़े सूटकेस में करीब 2000 से अधिक जाली सर्टिफिकेट, होलोग्राम और स्टांप की बरामदगी हुई है।

रूपन्देही जिला पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता डीएसपी सूरज कार्की ने बताया कि गिरफ्तार किए गए कानपुर के युवक के पास से भारत के एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, असम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिषद, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय की मार्कशीट, चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, लेटर पैड और अन्य फर्जी सादे दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि अभिषेक यादव को जिला पुलिस कार्यालय, रूपन्देही और क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय, बेलहिया की संयुक्त टीम ने बस पार्क स्थित होटल मुक्तिनाथ के पास से हिरासत में लिया। पुलिस ने यादव के पास से त्रिभुवन विश्वविद्यालय की 100 प्रतिलिपियां, 36 प्रमाण पत्र, 5 स्टाम्प पैड, 3 टिकटें और 4,040 स्टिकर जब्त किए, जो होलोग्राम जैसे दिखते थे और जिन पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय 2012 लिखा था। इसी तरह उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद के 2,000 स्टिकर, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के 1,700 स्टिकर और तकनीकी एवं प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र के 1,900 होलोग्राम स्टिकर जब्त किए गए।

कार्की के अनुसार विभिन्न कार्यालयों की मुहरें और हस्ताक्षर, दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक पेन ड्राइव, एटीएम कार्ड और नेपाली और भारतीय रुपये भी बरामद किए गए हैं। कार्की ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि वह फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र बनाने में गिरोह शामिल हो सकता है। गिरफ्तार यादव को न्यायालय से 5 दिन की हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पल-पल पलट रहा है मौसम, लोग गर्मी से परेशान; आज हल्की बारिश... और कुछ दिन बाद तूफान के आसार

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी और एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों के साथ झमाझम बारिश होने लगती है। ऐसे में सोमवार को दिन में ज्यादातर हिस्से में बादल छाए रहे। कुछ क्षेत्रों में बारिश हुई। इसकी वजह से तापमान कम रहा, लेकिन उमस के चलते लोग परेशान रहे। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 34.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए भी हल्की वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 20 और 21 अगस्त को भी दिल्ली एनसीआर में आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 24 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। 22 अगस्त को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं जिसके बाद झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 23 डिग्री रह सकता है। इसके बाद 23 और 24 अगस्त को बारिश और तूफान के आसार है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और पहाड़ी क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग की एडवाइजरी के तहत दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचने की संभावना है।

इट हाउस में उच्चस्तरीय वार्ता: ट्रंप बोले युद्ध समाप्त करने की संभावना, जेलेंस्की ने दिया समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की सोमवार को व्हाइट हाउस में यूरोपीय नेताओं के साथ उच्चस्तरीय वार्ता कर रहे हैं। इस बैठक को रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। बैठक से पहले डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि सब कुछ अनुकूल रहा तो आज ही एक त्रिपक्षीय बैठक संभव है, जिससे युद्ध समाप्त करने की दिशा में वाजिब मौका बन सकता है।

ट्रंप बोले बैठक के बाद पुतिन से करूंगा बात : पत्रकारों के एक सवाल कि क्या अमेरिका यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता समाप्त कर रहा है, तो ट्रंप ने कहा, अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम एक त्रिपक्षीय बैठक कर सकते हैं और उस स्थिति में युद्ध समाप्त करने का उचित मौका मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का यूक्रेन के लिए समर्थन खत्म नहीं हुआ है– लोग मारे जा रहे हैं और हम इसे रोकना चाहते हैं।

जेलेंस्की ने अमेरिकी फर्स्ट लेडी का जताया धन्यवाद : जेलेंस्की ने ट्रंप को युद्ध रोकने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया और पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को भी उनके उस पत्र के लिए आभार जताया, जो उन्होंने पुतिन को लिखा था। पत्र में कहा गया था कि अब बच्चों और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का समय है।

शान्ति बहाली के बाद चुनाव संभव- जेलेंस्की : यूक्रेन के राष्ट्रपति ने युद्ध के बीच चुनाव कराने की संभावना पर कहा कि यह केवल सुरक्षा परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। वहीं, जब उनसे नक्शा बदलने (रूस को क्षेत्र सौंपने) पर सवाल किया गया तो उन्होंने रूस की लगातार हमलों की ओर इशारा करते हुए स्पष्ट किया कि लक्ष्य युद्ध को रोकना और कूटनीति से समाधान ढूंढना है।

यूक्रेन की सुरक्षा में शामिल होगा अमेरिका : वहीं अमेरिकी शांति सैनिक भेजने के प्रश्न पर ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका और यूरोप मिलकर यूक्रेन को दीर्घकालिक सुरक्षा देंगे। उन्होंने कहा, जब सुरक्षा की बात आती है, तो बहुत मदद होगीज वे (यूरोप) पहली रक्षा पंक्ति हैं, लेकिन हम भी शामिल रहेंगे। ट्रंप ने अमेरिकी शांति सैनिकों को यूक्रेन भेजने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि हम उन्हें बहुत अच्छी सुरक्षा देंगे। ट्रंप ने यह दावा भी किया कि उन्होंने पहले छह युद्ध समाप्त कराए हैं और सोचा था कि यह सबसे आसान होगा, लेकिन यह काफी कठिन साबित हो रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस में चल रही बैठक में नाटो महासचिव मार्क रुटे, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष त अलेक्ज़ेंडर स्टब भी मौजूद हैं।

एम्बुलेंस न मिलने के दावे का सिविलसर्जन ने किया खंडन

बोले- महिला पहले से मृत थी, परिजनों ने खुद नहीं ली वाहन की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला अस्पताल में शव वाहन को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबर की सच्चाई सामने आ गई है। 14 अगस्त की रात करीब 7:30 बजे ग्राम मनकीसर की 30 वर्षीय संगीता साहू को परिजन जिला चिकित्सालय लेकर आए। संगीता को खून की उल्टी हुई थी और वह बेहोश थी। आपातकालीन कक्ष में डॉ. लीना प्रसाद और डॉ. दीपा मरावी ने महिला का परीक्षण किया। परीक्षण में पता चला कि महिला पहले से ही मृत थी। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल प्रशासन ने तुरंत शव वाहन की व्यवस्था की। स्टूवर्ड संदीप मिश्रा ने शव वाहन चालक सिद्धू और रावेन्द्र पांडेय को मृतका को उसके गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए। लेकिन परिजनों ने शव वाहन लेने से मना कर दिया। उन्होंने जिस इलेक्ट्रिक टेंपो से महिला को अस्पताल लाए थे, उसी से शव को वापस ले जाने का फैसला किया। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर यह खबर वायरल कर दी गई कि अस्पताल ने शव वाहन नहीं दिया। जबकि सच्चाई यह है कि अस्पताल प्रशासन ने शव वाहन की सुविधा दी थी, लेकिन परिजनों ने स्वयं इसका उपयोग नहीं करना चाहा।

सिविल सर्जन ने किया खंडन: सिविल सर्जन डॉक्टर एसबी खरे ने मंगलवार को इस संबंध में बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर तथ्यात्मक नहीं है। मृतका को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था और अस्पताल प्रशासन की ओर से शव वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन परिजन स्वयं शव वाहन का उपयोग न करते हुए अपने वाहन से शव ले गए। बिना पुष्टि किए इस प्रकार की भ्रामक खबर प्रसारित करना अनुचित है। विभाग सोशल मीडिया पर प्रसारित इस समाचार का खंडन करता है।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के 2024 मानक वर्ष की आउटसोर्स के कार्यादेश सम्पूर्ण भर्ती प्रक्रिया निरस्त की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग मध्यप्रदेश शासन तथा प्रभारी मंत्री जिला सीधी के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की अध्यक्षता में जिलास्तरीय जांच दल गठित किया जाकर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीधी द्वारा मानक वर्ष 2024 आउटसोर्स नियोजन के संबंध में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया। कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी के जॉच प्रतिवेदन कमांक 10205/जॉच समिति/2025 सीधी दिनांक 11.08.2025 के द्वारा प्रस्तुत जॉच प्रतिवेदन अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीधी द्वारा मानक वर्ष 2024 के लिये डाटा एन्ट्री आपरेटर/वाहन चालक/मल्टी टास्क ग्रुप-डी वर्कर/भृत्य आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से दूषित है। आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया सम्पूर्ण रूप से दूषित होने एवं अन्य किसी भी भर्ती में कलेक्टर द्वारा कोई अनुमोदन नहीं किया गया है, जिससे कलेक्टर द्वारा अनुमोदित उल्लिखित सभी कार्यादेश एतत द्वारा निरस्त किया जाता है। अन्य शिकायत बिंदुओं की जॉच के लिये पृथक से जिला स्तरीय जॉच दल गठित कर विस्तृत जॉच की जावेगी।

उक्त भर्ती प्रक्रिया में संलिप्त दोषी अधिकारी/कर्मचारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीधी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला सीधी, स्वास्थ्य विभाग से साक्षात्कार हेतु नामांकित सदस्य डॉ. रामभूषण पटेल चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमिलिया एवं डॉ. श्रिया त्रिपाठी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंजारी, प्रभारी स्थापना लिपिक के विरूद्ध विभागीय जॉच संस्थित किये जाने एवं सेडमैप से नामांकित सदस्य श्री हरिओम शरण सोनी जिला समन्वयक रीवा/सीधी, श्री अशोक त्रिपाठी जिला समन्यवक सिंगरौली व श्री रवि वर्मा जिला समन्वयक शहडोल के विरूद्ध सेडमैप अपने स्तर से कार्यवाही करें तथा आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करने की अनुशंसा की जाती है।

जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर ने सुनी 161 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर राकेश शुक्ला द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 161 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

साइबर ठगी से बचे सिंगरौली के वकील

ठग ने अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर मांगे 19 हजार रुपए, पुलिस में शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई इलाके में एक वकील बाबूलाल जायसवाल आज एक बड़े साइबर फ्रॉड का शिकार होने से बच गए। अपनी जागरूकता और त्वरित कार्रवाई से उन्होंने ना सिर्फ खुद को ठगी से बचाया, बल्कि पुलिस को भी सतर्क कर दिया। एडवोकेट बाबूलाल जायसवाल ने बताया कि आज शाम उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि वह अश्लील वीडियो देखते हैं। इस वजह से उनके खिलाफ एक केस दर्ज किया गया है। ठग ने उन्हें यह भी कहा कि अगर वे केस खत्म कराना चाहते हैं तो उन्हें ?19,500 बताए गए बैंक खाते में जमा कराने होंगे, वरना उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वकील बाबूलाल जायसवाल ने पहले से ही ऐसी साइबर ठगी के बारे में सुन रखा था। बिना कोई देरी किए, वे तुरंत सरई थाने पहुंचे और थाना प्रभारी जितेंद्र भदौरिया को पूरी घटना बताई। निरीक्षक जितेंद्र भदौरिया ने उन्हें समझाया कि यह एक फर्जी कॉल है। किसी भी कीमत पर ऐसी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए, ना ही किसी को पैसे देने चाहिए। इस घटना के बाद सिंगरौली पुलिस ने एक जागरूकता वीडियो भी जारी किया है, जिसमें लोगों को साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए गए हैं। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी, या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। यदि इस तरह की कोई भी कॉल आती है तो तुरंत अपने नजदीकी पुलिस थाने या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में वसुधैव कुटुंबकम विषय पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्राचार्य डॉ.पी.के. सिंह के निर्देशन में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किए गए। तत्पश्चात प्राचार्य के उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि भारत का समृद्धशाली गौरव इस वसुधैव कुटुंबकम में समाहित है, जब हम अपने परिवार समाज से आगे बढ़कर संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानते हैं। इस अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राम नारायण स्वर्णकार ने अपने उद्बोधन में भजन गाकर सभी का मार्गदर्शन किया। उक्त अवसर पर विश्व शांति एवं सौहार्द विषय पर केंद्रित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम स्थान दीक्षा शुक्ला प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान अंकिता सिंह बी.ए. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान शिवानी तिवारी बी. ए. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया, जिन्हें मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

उक्त अवसर पर कई छात्र-छात्राओं द्वारा व्याख्यान एवं गीत गाकर सहभागिता दर्ज की गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.बी. सिंह विभाग अध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने आभार, नोडल डॉ. दिलीप कुमार सोनी एवं संचालन डॉ. आशुतोष पांडेय ने किया। कार्यक्रम में प्रो.उमेश सोनी, प्रो. विनोद साकेत, प्रो. राकेश प्रजापति, डॉ. आकाश गुप्ता, डॉ. गुलाम मोईनुद्दीन, प्रो. पुष्पेंद्र शाह, डॉ. विभा सिंह, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. सच्चिदानंद तिवारी, डॉ.कोमल पाण्डेय, डॉ. संजय द्विवेदी डॉ.रमाकांत पाण्डेय, रामानुज पटेल, श्रेया शर्मा सहित छात्र छात्राएं सम्मिलित होकर लाभान्वित हुए।

अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध

देवलौद थाने पहुंचकर की नारेबाजी, टीआई ने मामले में कार्रवाई का दिया आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के देवलौद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जगमल में अवैध शराब बिक्री का ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को विरोध करते हुए ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया। बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और सरपंच सहित अन्य ग्रामीण थाने पहुंचे।

अवैध शराब बिक्री और पैकारी बंद करने की मांग: प्रदर्शनकारियों ने थाना परिसर में नारेबाजी की। उनकी मांग थी कि अवैध शराब बिक्री और पैकारी बंद की जाए। ग्रामीणों ने बताया कि जगमाल क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब की खुली बिक्री हो रही है। इससे युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। गांव का सामाजिक माहौल भी बिगड़ रहा है।

घरों में विवाद और मारपीट की घटनाएं बढ़ी: महिलाओं ने बताया कि शराब के नशे में घरों में विवाद और मारपीट की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार में कुछ प्रभावशाली लोग शामिल हैं। इसलिए शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

टीआई ने मामले में कार्रवाई का दिया आश्वासन: देवलौंद थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की गई है। ग्रामीणों और शराब ठेकेदार के कर्मचारियों के बीच हुए विवाद में दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

डॉक्टर और नर्सों को सिखाई आग बुझाने की तकनीक, जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिला अस्पताल में नगर पालिका परिषद की अग्निशामक शाखा ने फायर डेमॉन्स्ट्रेशन किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में अस्पताल के सिविल सर्जन, सुरक्षाकर्मी, डॉक्टर और नर्सों ने भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अस्पताल के कर्मचारियों को आग लगने की घटनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें आग पर काबू पाने की तकनीकों का प्रशिक्षण देना था। फायर कर्मियों ने आग के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी देते हुए बताया कि आग क्या है और उसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

आग के प्रकार और उपकरण का उपयोग: फायर कर्मी जफर खान ने आग के अलग-अलग प्रकारों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह समझना बेहद जरूरी है कि किस प्रकार की आग के लिए कौन सा उपकरण सबसे उपयुक्त है। उन्होंने खासतौर पर अग्निशमन यंत्र के सही उपयोग की विधि सिखाई और विभिन्न सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव पर भी जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान आग लगने की संभावित जगहों जैसे जनरेटर सिस्टम, बिजली के उपकरण और ऑक्सीजन टैंक आदि पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा, अगर हमें यह पता हो कि हमारे पास क्या-क्या संसाधन मौजूद हैं तो हम आग लगने की घटना पर बेहतर तरीके से काबू पा सकते हैं।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा पर केंद्रित कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार महाविद्यालय में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ओपी नामदेव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा भारतीय संस्कृति की आत्मा है जो कि निरंतर संपूर्ण विश्व में परिलक्षित हो रही है। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.नागेंद्र सिंह ने अपने व्याख्यान में छात्राओं को बताया कि वसुधैव कुटुम्बकम का इतिहास बहुत प्राचीन है, लेकिन इसकी प्रासंगिकता आज भी उतनी ही गहरी है जितनी हजारों साल पहले थी। कार्यक्रम में विश्व शांति एवं सौहार्द विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा रिमझिम तिवारी एवं द्वितीय स्थान दीपाली गोस्वामी ने प्राप्त किया। बीए प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया द्विवेदी ने भाषण के माध्यम से वसुधैव कुटुम्बकम की भारतीय संस्कृति में महत्व पर अपना विचार व्यक्त किया। भारतीय लोक संस्कृति के अंतर्गत लोक संगीत की प्रतियोगिता में आशा तिवारी प्रथम अन्नपूर्णा मिश्रा व खुशबू चतुर्वेदी द्वितीय व सुमन गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जनपद पंचायत सीधी में पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 का प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सभागार सीधी में 19 अगस्त को पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी श्री चंदूलाल पनिका के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण सह कार्यशाला में जनपद पंचायत सीधी के सभी ग्राम पंचायतों के सचिवों और लाइन डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायतों के सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण के 9 थीम आधारित दृष्टिकोण पर विस्तृत चर्चा किया गया। डीसीएफ(डेटा कलेक्शन फॉर्मेट) क्या हैं? कहां से प्राप्त होगा और उपयोग क्या है?के बारे में विस्तृत समझाया गया। पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 में डेटा एंट्री के लिए आवश्यक 151 प्रश्नोत्तरी का प्रोजेक्टर पर प्रदर्शन एवं उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा कर पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 पोर्टल में शीघ्र अति शीघ्र डेटा एंट्री करने के लिए बताया गया। सभी प्रतिभागियों के द्वारा टीएमपी पोर्टल में पंजीयन कराकर प्रमाण पत्र डाउनलोड करवाने का कार्य किया गया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीधी से मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका, जनपद पंचायत के खण्ड पंचायत अधिकारी उमेश सोनी, मनरेगा शाखा से एपीओ दिनेश गौतम, प्रधानमंत्री आवास शाखा से राजेंद्र मिश्रा एवं अनिल सिंह स्वच्छ भारत मिशन से रमाकांत यादव एवं अन्य समस्त जनपद स्तरीय लाइन डिपार्टमेंट के कर्मचारी एवं राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अजय कुमार गुप्ता, जिला समन्वयक कमलेश द्विवेदी, श्री अभिषेक त्रिवेदी एवं जनपद पंचायत सीधी से ब्लॉक समन्वयक विवेक मिश्रा, कंप्यूटर ऑपरेटर दिवाकर सिंह जनपद पंचायत सीधी के समस्त कर्मचारी, समस्त पीसीओ, एडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटर एवं सभी ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को आभार व्यक्त किया गया। आगे अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक 2.0 में आवश्यक डेटा एंट्री करने और पंचायतों को ए एवं ए प्लस कैटिगरी में लाने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला एवं टीएमपी पोर्टल में समस्त प्रतिभागियों की एंट्री के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं रमाकांत भूर्तिया पिता श्री रामसजीवन भूर्तिया, 130 पी टी चदई ग्राम चदई रीवा (म0प्र0) का मूल निवासी हूँ, यह कि मेरे ड्राईविंग लायसेन्स क्रमांक- MP17N-2012-0205650 है जिसमें मेरा नाम राहुल अहिरवार पिता श्री आर.डी. अहिरवार लेख है जो गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं समस्त दस्तावेज में मेरा नाम रमाकांत भूर्तिया पिता श्री रामसजीवन भूर्तिया है, जो सही है अत: आज दिनांक से मेरे शैक्षणिक एवं समस्त दस्तावेजो में मेरा नाम रमाकांत भूर्तिया पिता श्री रामसजीवन भूर्तिया लिखा, पढ़ा व जाना जाय।

सूचनादाता
रमाकांत भूर्तिया

बेजवाब मुख्य चुनाव आयुक्त

संपादकीय

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के चेहरे पर तल्खी और चिंता की लकीरें पढ़ी जा सकती थीं। वह कुछ गुस्से में भी लग रहे थे। बेशक 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों के बीच उन्हें चुनावी शुद्धता और निष्पक्षता साबित करनी थी, लेकिन अधिकांश समय वह एकालाप की स्थिति में रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पहली प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपिया सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिर्फ इतना ही कहा कि 'वोट चोरी' शब्द उचित नहीं है। वे संविधान का अपमान करते हैं। संसद और आम मतदाता के विवेक का अपमान करते हैं।' दरअसल इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उछालने या चुनाव आयोग और भाजपा-आरएसएस की मिलीभगत सरीखे पूर्वाग्रही आरोप लगाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आयोग के कार्यालय में आमंत्रित कर सकते थे, क्योंकि दोनों व्यक्ति संवैधानिक पदों पर आसीन हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त विपक्ष के नेता के आरोपों और उनकी आशंकाओं को सुनते और एक संतोषजनक जवाब देने की कोशिश करते। दुर्भाग्य और विडंबना है कि ऐसा नहीं किया जा सका, बल्कि दोनों ही मैदान में कूद पड़े। यह बिल्कुल भी लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजनीतिक जुबां में बोलते रहे कि चुनाव आयोग आरोपों से नहीं डरता। वोटर को अपराधी कहना ठीक नहीं है। चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर सियासत न करें। ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को दो टूक कहा-'या तो सात दिनों में हलफनामा दें अथवा देश से माफी मांगें। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।'' दरअसल इस बयान में धमकी भी निहित है। चुनाव आयुक्त से यह अपेक्षा नहीं की जाती। राहुल गांधी की टीम ने क्या अपराध किया है, जो वह देश से माफी मांगें? टीम ने आयोग के दस्तावेजी तथ्यों से 'वोट चोरी' का जो निष्कर्ष निकाला है, उसे चुनाव आयोग ही गलत साबित कर कांग्रेसी टीम को बेनकाब कर सकता था। मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसा क्यों नहीं कर पाए? उन्हें हलफनामा ही क्यों चाहिए? भाजपा नेताओं के 'वोट चोरी' के पुराने आरोपों पर हलफनामे क्यों नहीं मांगे गए? चुनाव आयोग तटस्थ, ईमानदार और पारदर्शी नहीं लगता। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हलफनामे को गैर-जरूरी मानते हैं। बहरहाल अब 'वोट चोरी' कमोबेश बिहार विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। मताधिकार को संविधान से जोड़ कर नेरेटिव तैयार किया गया है। लोग भ्रमित होकर भावुकता में बह सकते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। चुनाव आयोग की खूब छीछालेदर की जा रही है। हालांकि मुद्दा अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को है। चुनाव आयोग ने इतना जरूर किया है कि जिन 65.64 लाख मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए हैं, उन्हें आयोग की वेबसाइटों पर सार्वजनिक किया गया है। अंतिम संतुष्टि सर्वोच्च अदालत की होगी, क्योंकि अदालत ने इतने नाम काट देने के 'कारण' भी पूछे हैं। शीर्ष अदालत ने इस आशय का अंतरिम आदेश दिया था। अदालत ने स्थानीय भाषा के और अंग्रेजी अखबारों समेत टीवी एवं सोशल मीडिया में अच्छी तरह उनके नाम छापने और प्रसारित करने के आदेश भी दिए थे। चुनाव आयोग को ऐसा ही करना पड़ेगा।

'वोट चोरी' न भी कहें, लेकिन मतदाता सूचियों में गड़बड़ी एक पुरानी और सर्वत्र व्याप्त विसंगति रही है। बेशक मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण किए जाते रहे हैं।

हलकनामा

पीए सिद्धार्थ

अचानक झुन्नू लाल जी तमतमाए चेहरे के साथ पार्क में तेज कदमों से टहलते मिले। पूछा तो कहने लगे कि उनकी सत्ताधारी दल के स्थानीय माननीय से बहस हो गई थी जो विवेक के साथ दिमाग को ताक पर धर कर घर से सैर के लिए निकला था। बहस का मुद्दा था-राहुल गांधी द्वारा सत्ताधारी दल पर वोटर लिस्ट से वोट चोरी करवाने के आरोप। वैसे सत्ता के नशे में आदमी जमीर के साथ कॉमन सेंस को भी गिरवी रख देता है। माननीय प्रदेश के युवा सांसद माने जाते थे। युवा इसलिए कि पचास का होने पर नेता अपनी जवानी में कदम रखता है और तिरंगे में लिपटने तक चिर युवा बना रहता है। हा, अपने प्रतिद्वंद्वियों को निपटाना हो तो पचहत्तर का पहाड़ा पढ़ लिया जाता है। यह माननीय पचपन के हो चुके थे, लेकिन जह्नी तौर पर अभी बचपन में ही थे। ऐसे सत्ताधीशों को देख कर ही भगवान की सत्ता पर विश्वास होता है कि वह किस तरह अपनी मर्जी से अपनी पसंद के गधों के लिए च्यवनप्राश का बंदोबस्त करता है। नहीं तो जो किसी सरकारी या निजी दफ्तर में पियून बनने लायक नहीं, वे देश चलाते हैं। जब झुन्नू जी से उनकी नाराजगी का कारण पूछा तो कहने लगे, 'मुझे लगा था कि आदमी उस धर्म के मामले में ही अंधभक्त होता है, जो बचपन में उसकी मर्जी के बिना उस पर थोप दिया जाता है। पर राजनीति में आदमी अपनी मर्जी से आता है या किसी दल या नेता का समर्थन करता है। इसके बावजूद अपनी बात मनवाने के लिए कुतर्क करता है। मैंने उनसे कहा कि राहुल ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी के जो आरोप लगाए हैं, आप उन पर जांच करवाने की बजाय जनता का ध्यान हटाने के लिए नए मुद्दे क्यों घड़ रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद एक सैन्य अधिकारी दावा कर रहा है कि हमने पाकिस्तान के पांच विमान गिराए थे। दूसरा डरा रहा है कि पाकिस्तान से जल्द युद्ध हो सकता है। इससे बात नहीं बनी तो अपने कार्यकर्ताओं को देशभक्ति के जुलूस निकालने के निर्देश दे दिए। माननीय सांसद कह रहे थे कि राहुल अगर सच्चे हैं तो उन्हें अपने आरोपों को लेकर हलफनामा देना चाहिए।' वह लगभग हांफते हुए बोले। मैंने कहा, 'इसमें दिक्कत क्या है राहुल हलफनामा दे दें।' उन्होंने प्रतिप्रश्न किया, 'अगर आप किसी को अपने घर में चोरी करते हुए पकड़ लें और पुलिस उसके विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए आपसे हलफनामा मांगे, तो क्या होगा? चुनाव आयोग राहुल के सुबूत देने के बावजूद उन पर कार्रवाई करने की बजाय उससे हलफनामा मांग रहा है। यह संवैधानिक संस्था है या बीजे पार्टी का कार्यालय? दोनों एक-दूसरे को बचाने में लगे हैं। अवतारी हर बार की तरह मौन हैं। यदि वह सही है तो उसे चुनाव आयोग की जगह खुद प्रेस वार्ता करने और कांग्रेस पर आरोप लगाने की बजाय खुद हलफनामा देना चाहिए कि राहुल के आरोप बेबुनियाद हैं।

सत्ता में अगर हिम्मत है तो एक बार सही वोटर लिस्ट से ईवीएम हटा कर बैलेट पेपर से चुनाव करवा कर देख ले। कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाले अपनी ओर नहीं देखते। हां, शोकेस में ऐसा आदमी रखा है जो जिम्मेदारी छोड़ कर घर से भाग खड़ा हुआ था। कांग्रेस, नेहरू, इंदिरा या राहुल को कोसने की बजाय अवतारी बिना टेली प्रॉम्पटर के हिंदू-मुस्लिम या पाकिस्तान किए बिना अपनी सरकार की 11 सालों की उपलब्धियों पर बीस मिनट तक एक खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दिखा दें, तो हो सकता है ट्रंप के साथ उन्हें भी नोबेल मिल जाए।' मैंने हंसते हुए पूछा कि आप हलफनामे की बात कर रहे हैं या हलकनामे की? झुन्नू जी पहले तो मुझे कुछ देर घूरते रहे, फिर मेरी हंसी में शामिल होते हुए बोले, 'बिल्कुल सही। सत्ता दल तो हलकनामा ही दे सकता है। हलक का अर्थ है- गहरी कालिमा या सियाही। पिछले एक दशक में उसने इसके सिवा किया भी क्या है? अपना तो कुछ है नहीं, दिखाने के लिए।' कुछ देर के लिए मैं भी उनकी हंसी में शामिल होकर देश में चल रहे अंधे युग को भूल चुका था।

उमीद ही नहीं जलवायु की मार पर किसी के सोचने की!

भारत दुनिया का सातवाँ सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील देश है। और इसे जानने के लिए आपको किसी रिपोर्ट की ज़रूरत नहीं है। इसे आप अपनी साँसों में महसूस कर सकते हैं। फोटोऔं में दरकती नदी की तलहटी और डूबे हुए घरों में देख सकते हैं। भारत का 90 प्रतिशत हिस्सा अब चरम गर्मी के ख़तरे में है। गर्मियाँ अब धीमी जलती भट्ठी जैसी हैं, और मानसून सीधी चोट जैसा। 2023 में येल और सी-वोटर के सर्वे में 91 प्रतिशत भारतीयों ने कहा कि वे ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चिंतित हैं।

श्रुति व्यास

भारत कई चीज़ों का पर्याय हो सकता है, लेकिन अपॉलिटिकल बिलकुल नहीं। हम इस पर भी राजनीति करते हैं कि क्या खाएँगे, किसकी पूजा करेंगे, क्या देखेंगे, किससे शादी करेंगे! तभी आवारा कुत्तों से लेकर सड़क पर हुए विरोध तक, व्हाट्सऐप फ़ॉरवर्ड से लेकर युद्ध तक–सबकुछ भारत में वैचारिक छंटनी के शोर में है। राजनीति संसद में ही नहीं, हमारे ड्रॉइंग रूम में है, हमारे चुटकुलों में है, हमारी चुप्पियों में है। और फिर भी, इस लगातार शौर से भरे देश में एक संकट है जो अब भी राजनीतिक चखचख और कल्पना से बाहर है। और वह जलवायु है!

भारत दुनिया का सातवाँ सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील देश है। और इसे जानने के लिए आपको किसी रिपोर्ट की ज़रूरत नहीं है। इसे आप अपनी साँसों में महसूस कर सकते हैं। फोटोऔं में दरकती नदी की तलहटी और डूबे हुए घरों में देख सकते हैं। भारत का 90 प्रतिशत हिस्सा अब चरम गर्मी के ख़तरे में है। गर्मियाँ अब धीमी जलती भट्ठी जैसी हैं, और मानसून सीधी चोट जैसा। 2023 में येल और सी-वोटर के सर्वे में 91 प्रतिशत भारतीयों ने कहा कि वे ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चिंतित हैं।

और फिर भी–न कोई हल्ला, न कोई शोर। न बड़े विरोध-प्रदर्शन, न चुनावी मुद्दा, न राष्ट्रीय आक्रोश।

क्यों? क्या इसलिए क्योंकि जलवायु वोट नहीं दिलाती?

पिछले साल लोग चिलचिलाती धूप में वोट डालने की कतारों में बेहोश हो गए, पर किसी नेता ने इसे चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। बिहार हर साल बाढ़ से डुबता है, जिंदगियाँ मलबे की तरह धुल जाती हैं, पर चुनाव आते ही हेडलाइन और फोकस एक ही बात पर होता है और वह है–जाति। इन दिनों राहुल गांधी बिहार में ÷वोट चोरी÷ पर पैदल मार्च कर रहे हैं, जबकि बीजेपी वहा 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए जातीय समीकरण पैना कर रही है। क्षेत्रीय नेता विकास की बात करते हैं, लेकिन उनकी दृष्टि शायद ही कभी जाति-गणित और ज़िला वफ़ादारियों से आगे जाती हो।

हमारे पास एंटी-करप्शन योद्धा रहे हैं। प्रधान सेवक रहे हैं। यूथ आइकन रहे हैं। दलित उम्मीद के चेहरे रहे है। लेकिन कभी, एक बार भी, कोई जलवायु-नेता नहीं उभर कर आया! इसकी वजह साफ़ है।

जाति आपको वोट दिलाती है। धर्म वफ़ादारी देता है। राष्ट्रवाद तालियाँ देता है। लेकिन मौसम, जलवायु परिवर्तन? वह ज़िम्मेदारी मांगता है। लंबी योजना, नीरस नीतिगत बहसें और सभी दलों की जवाबदेही। इसमें लफ्जारी, जुमलों, रेटॉरिक पर नियंत्रण चाहिए, विज्ञान को भावना से ऊपर रखना पड़ता है। आप भीड़ नहीं जुटा सकते यह वादा करके कि ÷हाईवे कम बनाएँगे।÷ आप मीथेन स्तर पर आक्रोश नहीं खड़ा कर सकते। और आप यह अभियान नहीं चला सकते कि लोग कम उपभोग करें, धीरे निर्माण करें, विकास की परिभाषा बदलें। जलवायु केवल तब ट्रेंड करता है जब कोई शहर डूब जाए। और फिर भी, अगले दिन किसी उपराष्ट्रपति के इस्तीफ़े या सुप्रीम कोर्ट के कुत्तों पर आदेश से उसे भुला दिया जाता है।

नेता भी बादल फटने को ÷प्राकृतिक आपदा÷ कहकर आगे बढ़ जाते हैं। जैसे बाढ़ किस्मत हो। जैसे लू मौसमी लहर हो। जैसे ग्लेशियर विनम्रता से पीछे हट रहे हों, न कि पिघल रहे हों। इसे ÷ध्वंस÷ कह दीजिए–और यह आपका बोझ बन जाता है। जबकि राजनीति अब पूरी तरह बोझ बाँटने पर नहीं, बोझ टालने पर टिकी है। यही असली संकट है।

समाज की चुप्पी: हम सभी दोषी हैं। हमने असफलताओं को सामान्य बना लिया है। पाइपलाइनें फटती हैं, नाले जाम होते हैं, सड़कें बार-बार खोदी और बनाई जाती हैं–और हम बस कंधे उचकाते हैं। दिल्ली के फ़्लाईओवर पर गड्ढे से कार उछलती है–गाली बुदबुदाकर आगे बढ़ जाते हैं। शिमला जाते ट्रैफ़िक में फँसते हैं और चौड़ी सड़कें माँगते हैं, यह पूछे बिना कि क्या यही सड़कें पहाड़ों को ढहा नहीं रही हैं?

दिल्ली डूबी रहती है–राहत में नहीं, ठहराव में। हवा हिलती नहीं। आसमान गीले कपड़े की तरह लटकता है। शहर दर्पण की तरह धुंधला साँस लेता है। मौसम विज्ञान विभाग लाल अलर्ट जारी करता है, और अगले ही दिन धूप जला देती है। बिना उम्मीद के दिन अचानक बारिश टूट पड़ती है, और शहर डूब जाता है।

धाराली हो या किश्तवाड़ का चषोटी, काठुआ या मचैल माता के यात्री–कहीं दीवार-सी उठी बाढ़ पूरे गाँव बहा देती है, कहीं बादल फटने से पहाड़ फटते हैं। यह हादसा नहीं, अब स्थाई पैटर्न है। यह बदक़िस्मती नहीं बल्कि परिणाम है।

पर शासन व राजनीति ख़ामोश: और हम चुप रहते हैं। यही वजह है कि संसद में हीटवेव प्रोटोकॉल पर बहस नहीं होती। पिघलते ग्लेशियर पर वॉकआउट नहीं होता। हम कुत्तों पर ज़्यादा लामबंद हुए हैं, जलवायु पर कम। मंत्री आपदा स्थल पर हाथ जोड़कर आते हैं, रिंग लाइट लगाकर वीडियो शूट करते हैं, मुआवज़ा घोषित होता है–और सब भुला दिया जाता है। जनता भी स्क्रॉल करती है, आह भरती है, दिल टूटने वाला इमोजी डालती है–और अगले संकट तक आगे बढ़ जाती है।

यह चुप्पी निष्क्रिय नहीं बल्कि राजनीतिक और बेसुधी की है। यह रोज़-रोज़ का विश्वासघात है। उनकी नीतियाँ, उनके भाषण, उनके उद्घाटन–हमें यह सिखा रहे हैं कि ऐसा होते रहना ही हमारी तक़दीर है। सो बाढ़ आएगी, गर्मी मारेगी, जंगल कटेंगे। और यही ÷जैसा है, वैसा चलेगा÷ मानसिकता बन गई है। मीडिया भी यही करता है–रिपोर्ट नहीं करता, बस रिएक्ट करता है। कोई फ़ॉलो-अप नहीं, कोई राष्ट्रीय बातचीत नहीं, कोई तात्कालिकता नहीं। बस मौसम की ख़बरें–बिना किसी राजनीतिक जवाबदेही के।

वैश्विक मंच और घरेलू सच्चाई: वैश्विक मंच पर भारत की भाषा बड़ी है। भारत ने पेरिस में वादा किया। ष्टह्लक्क26 में प्रधानमंत्री मोदी ने पंचामृत दिया–500 त्रद्ध नॉन-फ़ॉसिल, 2070 तक नेट-ज़ीरो। तस्वीरें प्रभावशाली थीं, पर ज़मीनी सच्चाई? कोयला उद्योग अब भी फल-फूल याकि जल रहा है। 2022 में अकेले, पाँच साल से ज़्यादा कोयला ब्लॉकों की मंज़ूरी दी गई। हिमालय में जलविद्युत परियोजनाएँ कुकुरमुत्ते की तरह उग रही हैं–आदिवासियों को विस्थापित करती हुई, नाजुक पारिस्थितिकी को तोड़ती हुई। सौर पार्क खेतों और आदिवासी ज़मीन पर लग रहे है। हाँ, भारत ने सबसे बड़ी नवीकरणीय क्षमता बनाई है। इसी के क्क्रू चस्रू और नेशनल सोलर मिशन हैं।

पर भारत में अब तक कोई क्लाइमेट चेंज ऐक्ट नहीं बना है। कोई केंद्रीय जवाबदेही नहीं। कोई बाध्यकारी लक्ष्य नहीं। बस बिखरी हुई नीतियाँ। काग़ज़ पर एक्शन प्लान है, पर राजनीतिक इच्छाशक्ति कहाँ है? फ़ंडिंग कहाँ है? प्रवर्तन कहाँ है?

सो कुल मिलाकर हम अब भी स्मार्ट सिटी बना रहे हैं पर बिना स्मार्ट ड्रेनेज के। अब भी जंगल काट रहे हैं एक्सप्रेसवे के लिए। अब भी हरियाली को विनाश की पेंटिंग से ढक रहे हैं और उसे विकास कह रहे हैं। जलवायु सबकी समस्या है लेकिन ज़िम्मेदारी किसी की भी नहीं।

भारत की जलवायु राजनीति अब बड़ी महत्वाकांक्षाओं और प्रशासनिक जड़ता के बीच धार पर खड़ी है। जब तक हम अपने चुनाव, शासन, क़ानून और विकास की कल्पना को नहीं बदलेंगे–वह भविष्य, जिसके लिए योजना बना रहे हैं, शायद जीवित ही न रहे।

असल ख़तरा यह नहीं कि हम तैयार नहीं। बल्कि यह कि हमें हार मानने की ट्रेनिंग दी जा रही है। सांस न लेने लायक़ हवा, मरती नदियाँ, उग्र बाढ़–इन सबको बैकग्राउंड नॉइज़ की तरह लेने की आदत बना दी गई है।

जाहिर है व्यवस्था इतनी ऑप्टिक्स में उलझ गई है कि उसने नागरिकों के उम्मीद करने का हक़ ही छीन लिया है। और यह लापरवाही नहीं–यह अक्षम्य है। क्योंकि अगर इसे संकट कहेंगे, तो कार्रवाई करनी पड़ेगी। असली कार्रवाई। कम फ़्लाईओवर, ज़्यादा जंगल। कम नाटक, ज़्यादा जीवन। नीति–नारे से ऊपर। सच्चाई–शीर्षक से ऊपर। और आख़िर में, यह सवाल उठाना होगा कि पर्यावरणवादी के तौर पर नहीं बल्कि नागरिक के तौर पर–हम और कितनी देर इस लाचारगी, चुप्पी को झेले रह सकते हैं?

हम अपना दुख नहीं बांटते और भीतर से टूटते जाते हैं

शायद इस डर से कि लोग समझेंगे नहीं। या इस संकोच से कि अगर हम बोलेंगे तो लोग हमें कमजोर समझ लेंगे। या शायद इसलिए कि अब हमें खुद को भी वह दुख याद नहीं। बचपन से हमें सिखाया गया कि रोना अच्छा नहीं। लड़के रोते नहीं, मजबूत लोग शिकायत नहीं करते, सब ठीक हो जाएगा। ये वाक्य इतने बार सुने कि अब अपने ही दर्द को महसूस करना हमें गलत लगने लगा है। और जब महसूस ही नहीं करते, तो बांटना भी नहीं आता।

सुंदरचंद ठाकुर

हम सब जी रहे हैं। हंस रहे हैं, काम कर रहे हैं, लोगों से मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें डाल रहे हैं, मीटिंग्स में भाग ले रहे हैं, घर चला रहे हैं पर क्या भीतर से सच में ठीक हैं? बहुत कुछ है जो हम भीतर छुपा कर रखते हैं, ऐसा जो हमने कभी किसी से कहा ही नहीं। शायद इस डर से कि लोग समझेंगे नहीं। या इस संकोच से कि अगर हम बोलेंगे तो लोग हमें कमजोर समझ लेंगे। या शायद इसलिए कि अब हमें खुद को भी वह दुख याद नहीं। बचपन से हमें सिखाया गया कि रोना अच्छा नहीं। लड़के रोते नहीं, मजबूत लोग शिकायत नहीं करते, सब ठीक हो जाएगा ङ्क ये वाक्य इतने बार सुने कि अब अपने ही दर्द को महसूस करना हमें गलत लगने लगा है। और जब महसूस ही नहीं करते, तो बांटना भी नहीं आता। लेकिन यह दुख, जो हम बोल नहीं पाते, वह समाप्त नहीं होता ङ्क वह भीतर रहकर गूंजता है। एक मौन, जो शब्दों से नहीं, पर हर सांस में सुनाई देता है। यह मौन धीरे-धीरे हमें थका देता है। कभी रिश्तों में चुप्पी बनकर आता है, कभी क्रोध बनकर फूट पड़ता है और कभी थकान बनकर पूरे शरीर में फैल जाता है।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर कोई हिस्सा रो रहा होता है। और यह

रोना तब सबसे खतरनाक होता है जब हम खुद से भी छिपाने लगते हैं।हम कामयाबी की कहानियां सुनाते हैं, पर दिल की हार किसी को नहीं बताते। लोग कहते हैं ङ्क कितना सफल है, पर कोई नहीं जानता कि वह व्यक्ति रात को नींद की दवा लेकर सोता है। और यह सब इसलिए क्योंकि हम अपना दुख नहीं बांटते। कभी-कभी यह भी सच होता है कि हमारे पास कोई होता ही नहीं जिसे हम सच में अपना कह सकें। कोई ऐसा जो सिर्फ सुने, बीच में टोके नहीं, सलाह न दे, बस थाम ले। पर क्या इसका यह मतलब है कि हम टूटते रहें और किसी को बताएं भी नहीं?

ऐसे में हमें खुद अपने लिए वह साथी बनना होगा। खुद को वह स्थान देना होगा जहां हम खुद से ही बोल सकें। दिन में कुछ समय निकालकर खुद से पूछें ङ्क मैं कैसा महसूस कर रहा हूं?, क्या कोई बात है जो मुझे परेशान कर रही है? और अगर उत्तर में दुख मिले ङ्क तो उसे दबाएं नहीं। उसे डायरी में लिखें, आंखों में भर लें या आईने में देखकर कहें ङ्क मैं जानता हूं, मैं थका हुआ हूं, पर मैं तुम्हारे साथ हूं।

जब हम अपना दुख पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं तो उसका असर बदल जाता है। वह बोझ नहीं रहता, वह अनुभव बन जाता है। और जब हम किसी को अपना दर्द बाँटते हैं ङ्क शब्दों में या मौन में, तो हम भीतर से थोड़ा हल्का महसूस करते हैं। दुख बांटने का मतलब यह नहीं कि हम दूसरों पर निर्भर हैं। इसका अर्थ है कि हम इंसान हैं और इंसान का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह महसूस करता है। अपने लिए और दूसरों के लिए भी।

अगर हम अपने आसपास किसी को चुप देखें, तो बस इतना कहें ङ्क मैं हूं, अगर तुम बोलना चाहो तोज कई बार एक वाक्य, एक उपस्थिति, एक हाथ, एक सन्नाटा ङ्क किसी टूटते हुए मन को थाम सकता है। हमारा दुख तब तक बढ़ता है जब तक वह अकेला रहता है। और जैसे ही वह साझा होता है, वह दवा बनने लगता है। शब्द बांटिए, मौन बांटिए, आंसू बांटिए, क्योंकि जब हम बांटते हैं, तो हम जुड़ते हैं और जब हम जुड़ते हैं हम ठीक होने लगते हैं।

प्राइवेट उर्वरक विक्रेताओं के यहाँ से किसानों को सुविधापूर्वक उचित रेट पर खाद विक्रय के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएं: कलेक्टर

आगामी तीन दिनों में शत-प्रतिशत खाद का विक्रय सुनिश्चित कराएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि जिले में जिन प्राइवेट उर्वकर विक्रेताओं के यहाँ 5 मीट्रिक टन से अधिक खाद उपलब्ध है उनके यहाँ से किसानों को सुविधापूर्वक उचित रेट पर खाद का विक्रय अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में कराएं तथा आगामी तीन दिन में शत-प्रतिशत खाद का विक्रय सुनिश्चित कराएं।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहाँ 900 मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता है। इसका शत-प्रतिशत विक्रय तीन दिवस में हो जाए। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि वितरण की निगरानी के लिए एक केन्द्र में छः अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएं जो पूरे समय तक उपस्थित रहकर सुविधाजनक ढंग से निर्धारित दर पर किसानों को खाद का वितरण कराएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर ने किसानों से अपेक्षा की कि नजदीकी उपलब्ध विक्रेता के यहाँ से खाद का क्रय करें। उन्होंने मार्फेड के वितरण केन्द्रों में आगामी तीन दिनों में उपलब्ध होने वाले उर्वरक के विक्रय के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वितरण केन्द्रों में छाया, पानी के साथ सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए।

उल्लेखनीय है कि जिले में हुजूर तहसील के रूद्र बीज भण्डार, जय श्रीराम बीज भण्डार, रेवांचल पल्स प्रोड्यूसर कंपनी, न्यू रमागोविंद खाद-बीज भण्डार, त्रिपाठी खाद-बीज भण्डार, शिवानी सीड एजेंसी, विन्ध्या एसोसिएट्स, जय महाकाल कृषि सेवा केन्द्र, संतोष ट्रेडर्स, महामृत्युंजय खाद-बीज भण्डार, शांति खाद-बीज भण्डार, विन्ध्या वनस्पति सीड्स, सेवा उर्वरक केन्द्र तथा श्रीराम कृषि केन्द्र, तहसील जवा के कृषि परामर्श केन्द्र, पुष्पेन्द्र सिंह कुशवाहा, किसान केएसके तथा किसान कृषि सेवा केन्द्र एवं मनगवां तहसील के जितेन्द्र कुमार पटेल, संजय कृषि बीज भण्डार, श्री राधाश्यामा ट्रेडर्स, किसान कृषि सेवा केन्द्र, तेजभान कुशवाहा, रामगोपाल गुप्ता तथा शंकर बीज भण्डार के यहाँ से अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में खाद का विक्रय किया जाएगा। इसी प्रकार रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत कन्हैया ट्रेडर्स, संचार केएसके, नरेन्द्र सिंह, विष्णु बीज भण्डार व भास्कर बीज भण्डार, सेमरिया अन्तर्गत लक्ष्मी कृषि सेवा केन्द्र, गायत्री ट्रेडर्स, विन्ध्या स्टील सेंटर, अरूण किसान स्टोर, गुप्ता खाद भण्डार, सूर्या खाद-बीज भण्डार, समृद्धि खाद-बीज भण्डार एवं श्रीवास्तव खाद बीज भण्डार, सिरमौर तहसील के किसान कृषि एवं बीज भण्डार, पयासी ट्रेडर्स, कृष्णा ट्रेडर्स राकेश कुमार, हीरा एग्रो, अनित सिंह खाद-बीज भण्डार, सतीश कुमार द्विवेदी, सिंह खाद-बीज भण्डार, अधरजिया बीज भण्डार, प्रिया खाद-बीज भण्डार, कृष्णगोपाल गुप्ता, संदीप कुमार वर्मा एवं अंजनी ब्रदर्स तथा त्योंथर के सत्यम बीज भण्डार से खाद का वितरण अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में होगा। इस दौरान एडीएम सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्राइबल टीचर वेलफेयर एसोसिएशन ने जताई नाराजगी, कलेक्टर को दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ट्राइबल टीचर वेलफेयर एसोसिएशन ने मंगलवार को संभाग आयुक्त के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया। एसोसिएशन ने ट्राइबल विभाग और जनपद पंचायत की एजेंसियों पर छात्रावासों की मरम्मत और निर्माण कार्यों में लापरवाही और शासकीय राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। साथ ही आठ सूत्रीय मांगें रखकर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।

मरम्मत कार्यों में लापरवाही, गुणवत्ताविहीन निर्माण का आरोप: संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि छात्रावासों में जरूरी मरम्मती कार्य नहीं किए जाते, जबकि संबंधित एजेंसियां कार्य की राशि आहरित कर लेती हैं। इस वजह से छात्रावासों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का अभाव है, जिससे छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कनिष्ठ शिक्षकों को अधीक्षक बनाए जाने पर आपत्ति: ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कई जगहों पर नियमों के विपरीत प्राथमिक स्कूलों के कनिष्ठ शिक्षकों को ट्राइबल छात्रावासों का अधीक्षक बनाया जा रहा है। यह नियुक्तियां नियमित प्रक्रिया के खिलाफ हैं और इससे छात्रावासों की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। छात्रावास अधीक्षक हरीश तिवारी और रेनू शुक्ला ने बताया कि मऊगंज जिले में एक प्राथमिक शिक्षक को ट्राइबल हॉस्टल का प्रभारी बना दिया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है।

हॉस्टल अधीक्षकों को दी जाए निगरानी की जिम्मेदारी: संगठन ने मांग की कि छात्रावासों में चल रहे निर्माण और मरम्मती कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी हॉस्टल अधीक्षकों को सौंपी जाए, ताकि वे कार्य की गुणवत्ता परख सकें और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में रिपोर्ट कर सकें। इसके लिए उन्हें अधिकार दिए जाने की जरूरत है।

दफ्तर में हेलमेट पहनकर कर काम कर रहे कर्मचारी, एमपीईबी के कंट्रोल रूम में गिर रही सीलिंग, 1 घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नेहरू नगर स्थित एमपीईबी कार्यालय के कंट्रोल रूम की इमारत जर्जर हालत में है। छत से प्लास्टर गिरने की घटनाओं के कारण यहां काम करने वाले कर्मचारी अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर ड्यूटी कर रहे हैं। हाल ही में प्लास्टर गिरने से एक कर्मचारी घायल भी हो गया था।

कर्मचारी आश्रित मिश्रा ने बताया कि कल काम के दौरान अचानक छत का हिस्सा टूटकर गिरने लगा। उस समय वह कुर्सी थोड़ा पीछे करके बैठे थे, जिससे बच गए। उन्होंने कहा, अब सिर की सुरक्षा सबसे जरूरी है, इसलिए दफ्तर के भीतर भी हेलमेट पहनना मजबूरी बन गया है।

खराब निर्माण पर अधिकारियों का आरोप: मेंटीनेंस प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि यह सब घटिया निर्माण का नतीजा है। हालात इतने खराब हैं कि कर्मचारियों की जान पर बन आई है। काम करना मजबूरी है लेकिन हर वक्त डर बना रहता है। उन्होंने बताया कि जेई को इसकी जानकारी दे दी गई है, लेकिन अभी तक कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचा है।

कर्मचारियों में बढ़ी चिंता: कर्मचारियों का कहना है कि सब स्टेशन या खंभों के पास नहीं बल्कि दफ्तर और कंट्रोल रूम के भीतर भी हेलमेट पहनकर काम करना पड़ रहा है। उनकी मांग है कि जल्द कार्रवाई की जाए, ताकि रोजमर्रा की ड्यूटी जान जोखिम में डालकर न करनी पड़े।

कलेक्टर और अन्य अधिकारी साइकिल तथा ई रिक्शा से पहुंचे कार्यालय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर संभाग के सभी जिलों में प्रत्येक मंगलवार को अधिकारी पर्यावरण संरक्षण के लिए शक्तिचालित वाहनों के स्थान पर साइकिल और बैट्रीचालित वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। संभाग के सभी जिलो में अधिकारियों और कर्मचारियों ने साइकिल से कार्यालय पहुंचकर इस अभियान को गति दी है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कलेक्टर सतना सतीश कुमार एस बिना किसी अंगरक्षक के स्वयं साइकिल चलाकर अकेले ही कलेक्टर बंगले से कलेक्ट्रेट पहुंचे। अपर कलेक्टर विकास सिंह पैदल कार्यालय पहुंचे। अन्य अधिकारियों ने साइकिल और ई रिक्शा का उपयोग किया। मैहर जिले में कलेक्टर रानी बाटड और अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ई रिक्शा से कार्यालय पहुंचे। रीवा में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर साइकिल से कार्यालय पहुंचे। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन तथा नवागत सहायक कलेक्टर दृष्टि जायसवाल ई रिक्शा से कार्यालय पहुंची। कई जिलाधिकारी हर मंगलवार की तरह इस मंगल भी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। संभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सुमंगल साइकिल दिवस को सफल बनाने में योगदान दिया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनवर खान, प्रभारी संयुक्त संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी साइकिल से कार्यालय पहुंचे।

बंदरों का आतंक, पेंशन व संबल योजना में लापरवाही, जनसुनवाई में 30 आवेदन मिले

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हर मंगलवार की तरह 19 अगस्त को मऊगंज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन हुआ। इस बार जनसुनवाई की अध्यक्षता कलेक्टर संजय कुमार जैन ने की, जिसमें कुल 30 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं और उनके त्वरित समाधान की मांग की। कलेक्टर ने सभी मामलों को गंभीरता से लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में बिजली, पानी, अतिक्रमण, संबल योजना और खाद्यान्न वितरण से जुड़े मुद्दे सबसे अधिक सामने आए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर उमंग दिशा एवं विकास डे केयर सेंटर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय न्यास सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित उमंग दिशा एवं विकास डे केयर सेंटर, छत्रपति नगर, रीवा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर दिनांक 18 अगस्त को भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सभी दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बौद्धिक रूप से अक्षम बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में मनमोहक नृत्य एवं अभिनय प्रस्तुत किया, जिसे देखकर उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा। कार्यक्रम के दौरान श्रीकृष्ण के अनमोल वचनों एवं उनके जीवन से जुड़ी शिक्षाओं को भी सरल एवं प्रेरणादायक रूप में बच्चों और अभिभावकों को समझाया गया।

कार्यक्रम में संस्थापिका रानी सिंह, अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह, सह-संचालिका दीप्ति सिंह परिहार, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपंकर सहित विशेष शिक्षिकाएं नीता रजक, उषा सिंह, साधना पांडे, पूनम मिश्रा, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, निर्मला सिंह, युवराज सिंह एवं माही सिंह उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। सागर चमकेला सहित कई गणमान्य नागरिकों ने भी इस आयोजन में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। ज्ञातव्य है कि राजरानी सेवा संस्थान दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत रूप से कार्यरत एक समर्पित संस्था है, जहाँ विभिन्न श्रेणियों के दिव्यांग बच्चे अध्ययनरत हैं और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यवाही नहीं हुई तो पैर में बेड़ियां हांथ में लोटा सरौता लेकर सी एम हाऊस भोपाल का करेंगें रुख: चोटीवाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले का सबसे हाई प्रोफाइल मामले को लेकर विश्वनाथ पटेल चोटीवाला प्रदेश प्रवक्ता भारतीय किसान यूनियन म.प्र.द्वारा एक बार फिर से ऐलान करते हुए कहा है कि पूर्व सैनिक रमेश कुमार पटेल की मौजा गड़रिया स्थिति तहसील हुजूर रीवा की भूमि खसरा क्र.99/1/1/13/2 रकवा 0.042 हेक्टेयर को बचाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को आवेदन पत्र देकर कार्यवाही की मांग की रही थी लेकिन आज तक केवल आला अधिकारियों के आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला चाहे वह पटवारी से लेकर आयुक्त तक और थाना प्रभारी से लेकर आई जी तक आवेदन पत्र दिया गया हो सभी आला अधिकारी भू-माफिया से के आगे नतमस्तक से दिखते नज़र आ रहें हैं, इस लिए

मजबूर होकर एक बार से पैर में बेड़ियां और हांथ में लोटा सरौता लेकर सी एम हाऊस भोपाल तक पदयात्रा करेंगें जिसकी जिम्मेदारी जिला एवं पुलिस प्रशासन की होगी।

युवती से मिलने आए युवक को परिजनों ने बंधक बनाकर 13 घंटे पीटा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराही गांव से एक युवक को 13 घंटे तक बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया। दरअसल, युवक फेसबुक पर हुई दोस्ती के बाद युवती से मिलने पहुंचा था। इस दौरान युवती के परिजनों ने 13 घंटे तक उसे बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। इस घटना का वीडियो भी मंगलवार को सामने आया है।

रीवा से हनुमना मिलने पहुंचा था युवक: जानकारी के मुताबिक पीड़ित युवक रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र का निवासी है। तीन दिन पहले वह युवती के बुलाने पर 100

किलोमीटर दूर हनुमना थाना क्षेत्र के पिपराही गांव पहुंचा था। आरोप है कि गांव पहुंचते ही युवती के परिजनों ने युवक को पकड़कर उसके हाथ-पांव रस्सी से बांध दिए। शनिवार रात 9 बजे से रविवार सुबह 10 बजे तक लगातार मारपीट करते रहे।

युवती के परिजनों ने चोर बताकर पुलिस को सौंपा: सुबह जब ग्रामीण इकट्ठा हुए तो आरोपी युवक को पिपराही पुलिस चौकी ले गए और उस पर चोरी का आरोप लगाने लगे। इस दौरान युवक ने अपने मोबाइल में मौजूद युवती के चैट और कॉल दिखाते हुए सच्चाई बताई। साथ ही शरीर पर लगी चोटें भी दिखाईं। इसके बावजूद पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों में समझौता कराकर युवक को लौटा दिया।

ग्रामीणों का आरोप- पुलिस ने हल्के में निपटाया मामला: पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट करने वालों ने युवक की जेब से रुपए भी निकाल लिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (एएचपी घटक) के आवंटित भवनों का सत्यापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार एएचपी घटक अंतर्गत शहर में निर्मित प्रधानमंत्री आवास गोल क्वार्टर, कृष्णा नगर, ललपा एवं सुन्दर नगर में आवंटित हितग्राहियों के निवास का सत्यापन कराया गया। शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक अंतर्गत निर्मित ईडब्ल्यूएस भवनों का सर्वेक्षण कार्य सहायक यंत्री राजेश चतुर्वेदी द्वारा टीम के साथ किया गया। सत्यापन में पाया गया कि गोल क्वार्टर साइट में 504 भवनों का निर्माण किया गया है, जिसमें 120 हितग्राहियों के आवास में ताला बंद पाया गया एवं 82 आवासों में किरायेदार निवासरत है तथा 274 हितग्राही अपने स्वयं के आवंटित भवन मे निवासरत पाये गयें, 28 आवासों में अन्य कारण से जैसे दुकान खोलना, स्ट्रक्चर में बदलाव करना, नजदीकी रिश्तेदारों को मकान में रखना पाया गया। सुन्दर नगर साइट में 392 भवनों का निर्माण किया गया है, जिसमें 84 हितग्राहियों के आवास में ताला बंद पाया गया एवं 63 आवासों में किरायेदार निवासरत है तथा 229 हितग्राही अपने स्वयं के आवंटित भवन मे निवासरत पाये गयें, 11 आवासों में अन्य कारण जैसे दुकान खोलना, स्ट्रक्चर में बदलाव करना, नजदीकी रिश्तेदारों को मकान में रखना पाया गया तथा 05 आवासों में नगर निगम का ताला बंद है। ललपा साइट में 140 भवनों का निर्माण किया गया है, जिसमें 29 हितग्राहियों के आवास में ताला बंद पाया गया एवं 13 आवासों में किरायेदार निवासरत है तथा 91 हितग्राही अपने स्वयं के आवंटित भवन मे निवासरत पाये गयें, 07 आवासों में अन्य कारण जैसे दुकान खोलना, स्ट्रक्चर में बदलाव करना, नजदीकी रिश्तेदारों को मकान में रखना पाया गया।

जनसुनवाई में 96 आवेदकों ने दिये आवेदन; राजस्व, भूअर्जन मुआवजा सहित अन्य आवेदनों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में राजस्व, भूअर्जन मुआवजा, पेंशन आदि से संबंधित 96 आवेदन प्रस्तुत हुए। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी एवं डिप्टी कलेक्टर राजेश सिन्हा ने आवेदकों को समस्यायें सुनीं संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही करने हेतु आवेदन पत्र प्रेषित किये।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में गिरजेश तिवारी बड़ागांव एवं सुमेदा निवासी पारसनाथ सिंह ने अधिगृहीत भूमि का मुआवजा दिलाने तथा मोंहरिया निवासी राजबहोर तिवारी ने नहर में भूमि अधिगृहण की राशि का मुआवजा दिलाये जाने का आवेदन किया जिन्हें संबंधित एसडीएम को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसी प्रकार इटौरा निवासी रामलोटन साकेत के अति गरीबी कार्ड बनाने, रामनिवास निवासी छिरहटा के अवैध कब्जा कर घर बनाने के कार्य को रोकने, पटना निवासी दशरथ के अवैध भूमि से कब्जा हटाने तथा सेमरी कला निवासी उमाशंकर के खाता पृथक कर नक्शा तरमीम किये जाने के आवेदनों में संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में मुद्रिका प्रसाद बहेलिया गोविंदगढ़ निवासी ने सीमांकन का आवेदन दिया जबकि टीकर निवासी अभय कुमार तिवारी ने न्यायालय के आदेश के उपरांत भी सीमांकन व नक्शा तरमीम व होने का आवेदन प्रस्तुत किया जिन्हें नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। मुन्नीदेवी निवासी पथरौड़ा के वर्षा से क्षतिग्रस्त मकान की क्षति पूर्ति के आवेदन पर तहसीलदार जवा को तथा शाहपुर निवासी ज्ञानेन्द्र शुक्ल के आवास की द्वितीय किश्त की राशि दिलाये जाने के आवेदन पर सीईओ सिरमौर को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। संदीप शुक्ल सुंदर नगर ने आवेदन किया कि हर्दी निवासी नरेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा सिरमौर व मनगवां दो तहसीलों से किसान सम्मान निधि का लाभ लिया जा रहा है जांच कराई जाय। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार सिरमौर को जांचकर तथ्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रतलाम के हॉस्टल में छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, एक साथ 35 छात्राओं को बुखार-उल्टी की शिकायत; बीएमओ बोले- पानी की जांच कराएंगे

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के बाजना स्थित एकलव्य बालिका छात्रावास में सोमवार देर रात अचानक छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। छात्राओं को आनन-फानन में पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद हालात सामान्य होने पर छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बाद रात में ही डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं 23 छात्राओं का इलाज जारी है।

अचानक घबराहट हुई, एक साथ 35 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी : सोमवार रात 8 बजे छात्राओं को अचानक घबराहट होने लगी। बेचैनी के साथ तेज बुखार व पैर दर्द होने लगा। कुछ छात्राओं को उल्टी होने लगी। इसके बाद रात 10 बजे एक साथ सभी 35 छात्राओं को बाजना अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही जिला पंचायत सदस्य शरद डोडियार रात में ही अस्पताल पहुंचे। उन्होंने छात्राओं से बातचीत की और रात में ही जिला प्रशासन और जनजातीय विकास विभाग के अधिकारियों को सूचना दी।

एक पलंग पर दो छात्राओं को लेटाया : जिला पंचायत सदस्य शरद डोडियार ने बताया कि रात में सूचना मिलने पर हॉस्पिटल पहुंच गया था। डॉक्टरों से बात कर समुचित इलाज की बात कही। हॉस्पिटल में बेड की कमी होने पर एक बेड पर दो-दो छात्राओं को लेटाकर बॉटल चढ़वाई। 35 से अधिक छात्राएं बीमार हुई थी।

23 छात्राओं को वापस कराया भर्ती : मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे स्वास्थ्य केंद्र का अमला हॉस्टल में जाकर इलाज करने लगा। इस बात की जानकारी जिला पंचायत सदस्य शरद डोडियार, सरपंच रामजी बाई निनामा समेत स्थानीय जनप्रतिनिधियों को लगी तो वह भी हॉस्टल पहुंचे। डॉक्टरों को स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर छात्राओं को इलाज करने को कहा गया। इसके बाद बीमार 35 छात्राओं में से 23 छात्राओं को वापस अस्पताल में एडमिट कराया गया है। बीमार छात्राओं में हॉस्टल में रहने वाली कक्षा छटवीं से 10वीं तक की छात्राएं शामिल है।

बुखार व सिर दर्द की समस्या : बीएमओ डॉ. जितेंद्र जायसवाल ने बताया कि छात्राओं को बुखार, पैर और सिर दर्द के साथ घबराहट के चलते हॉस्टल से भर्ती कराया गया था। कुछ छात्राओं को उल्टी भी हो रही थी। अभी वायरल चल रहा है। संभवतः उसी कारण छात्राओं की तबीयत बिगड़ी है। हॉस्टल के पानी की जांच करवाएंगे।

स्कूल के गेट पर लगाया ताला : छात्राओं की तबीयत खराब होने का मामला मंगलवार सुबह सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। पीएम श्री एकलव्य आवासीय स्कूल के बाहर गेट पर ताला लगा दिया। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बाजना पुलिस ने पहुंचकर ताला खुलवाया और प्रिंसिपल से घटनाक्रम की जानकारी ली।

ये छात्राएं हुई बीमार : अंजली (15) पिता रामलाल, बाजू (11) पिता भूरिया, शोभा (12) पिता हेमराज, सपना (14) पिता पंजालाल, मनीषा (12) पिता राहुल, पूजा (15) पिता रमेश, सविता (15) पिता लालू, सोम्या (12) पिता रामदेव, मनीषा (15) पिता लक्ष्मण, ज्योति (15) पिता जगदीश, वर्षा (13) पिता सुखलाल, लक्ष्?मी (12) पिता ईश्वरलाल, अंजली (12) पिता सुखराम, अक्षिता (15) पिता मगन, सिमरन (11) पिता लक्ष्मण, अनुष्का (12) पिता प्रेमसिंह, पूजा (15) पिता भालु, अंगूरी (14) पिता रुपजी, रेखा (16) पिता मोहन, माधुरी (13) पिता प्रेम, वर्षा (16) पिता लाला, आरती (12) पिता गुड्डू, काजल (12) पिता कांतिलाल, काजल (14) पिता देवीलाल, मोनिका (13) पिता नानापाल, सविता (15) पिता भानसिंह, बबली (13) पिता सपना, किरण (12) पिता गौतम, शिवानी (14) पिता धीरज, सुन्दर (15) पिता दिनेश, खुशबू (15) पिता मोतीलाल, खुशी (12) पिता रमेश, सोनू (12) पिता कालूसिंह, शिवानी (12) पिता महेन्द्र सहित अन्य छात्राएं बीमार हुई।

हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस के सामने आया गायों का झुंड, 8 मवेशियों की मौत

नर्मदापुरम, एजेंसी। हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार दोपहर नर्मदापुरम जिले में एक बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गई। दोपहर करीब 12:40 बजे ट्रेन के सामने गायों का झुंड आ गया, जिससे करीब 8 मवेशियों की कटकर मौत हो गई। घटना नर्मदा ब्रिज के पास हुई।

अचानक ब्रेक लगाने से टली बड़ी दुर्घटना : स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज रफ्तार से आ ही ट्रेन को अचानक रोकना पड़ा। चालक की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान ट्रेन के रुकते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया और रेल यातायात कुछ देर के लिए बाधित हो गया।

30 मिनट तक खड़ी रही ट्रेन : हादसे के बाद ट्रेन को करीब 30 मिनट तक (12:40 से 1:10 बजे तक) रोकना पड़ा। आरपीएफ और रेलवे अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। मवेशियों के शवों को ट्रैक से हटाने के बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया।

मवेशियों के मालिक की तलाश में जुटी आरपीएफ : हादसे में करीब 8 मवेशियों की मौत हो गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मवेशी किसके थे। आरपीएफ अब मालिक का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार रेलवे नियमों के तहत ट्रैक पर मवेशी छोड़ना दंडनीय अपराध है, और इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

शाही सवारी में 'लव जिहाद' झांकी पर हंगामा, फ्रिज में लड़की के टुकड़े और 'केरल स्टोरी' वाले बैनर दिखाए; पुलिस ने हटवाया

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन जिले के घोंसला गांव में सोमवार को भगवान श्री मनकामेश्वर की शाही सवारी के दौरान विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, सवारी में 'लव जिहाद' को लेकर एक झांकी निकाली गई थी, जिसमें प्रतीकात्मक रूप से एक लड़की को फ्रिज में टुकड़े-टुकड़े कर रखे जाने का दृश्य दिखाया गया था। साथ ही केरल स्टोरी और अन्य स्लोगन लिखे बैनर लगाए गए थे। झांकी में नेहा, बबली, प्राची के नाम, प्रेमी बना जल्लाद जैसे नारे लिखे थे।

शिकायत के बाद पुलिस हरकत में : झांकी की शिकायत किसी ने पुलिस को कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नेशनल हाईवे घोंसला पर चल रही सवारी से झांकी को हटवा दिया। झांकी हटाने पर हिंदू समाज के लोग नाराज़ हो गए और आक्रोशित होकर नारेबाजी शुरू कर दी।

आला अधिकारी मौके पर पहुंचे : स्थिति बिगड़ते देख एडिशनल एसपी मयूर खंडेलवाल, एसडीओपी जेंडेन लिंगजेरपा, डीएसपी भारतसिंह यादव और झारड़ा थाना प्रभारी आनंद भाबोर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाइश दी और माहौल शांत करवाया। पुलिस की समझाइश के बाद लोगों ने झांकी को हटा दिया। इसके बाद भगवान श्री मनकामेश्वर की शाही सवारी दोबारा मंदिर की ओर रवाना की गई।

पंधाना में झोलाछाप डॉक्टर पर एक्शन, दो क्लिनिक सील:14 साल के बच्चे की मौत के बाद कार्रवाई, ब्लॉक में 143 झोलाछाप चिह्नित

खंडवा, एजेंसी। पंधाना ब्लॉक के भीलखेड़ी गांव में गलत इलाज से 14 वर्षीय बालक की मौत के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम दीक्षा भगोरे के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। बीएमओ डॉ. अनिल तंतवार ने सोमवार को पंधाना नगर और भीलखेड़ी गांव में तीन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लिनिक सील किए। जांच में पूरे ब्लॉक में 143 झोलाछाप डॉक्टर पाए गए हैं।

पंधाना नगर में दो क्लिनिक बंद : बीएमओ ने बताया कि पंधाना नगर में कमलेश सोनी और आशीष गंगराड़े के क्लिनिक सील किए गए। दोनों के पास बीईएमएस (इलेक्ट्रो होम्योपैथी) की डिग्री तो है, लेकिन क्लिनिक संचालन का रजिस्ट्रेशन नहीं था। बिना पंजीकरण के क्लिनिक चलाने पर मप्र उपचर्यागृह तथा रुग्णोपचार स्थापनाएं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

भीलखेड़ी गांव में डॉक्टर का क्लिनिक भी सील : जिस गांव में बच्चे की मौत हुई थी, वहीं मोहन राठौड़ का क्लिनिक भी सील किया गया। बताया गया कि यहां भी इलाज बिना रजिस्ट्रेशन के किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से पहले तैयार की गई लिस्ट में पंधाना ब्लॉक में कुल 143 झोलाछाप डॉक्टर पाए गए।

उल्दन बांध परियोजना के प्रभावितों ने किया जल सत्याग्रह, वंचित प्रभावितों को परियोजना में शामिल करने की मांग

सागर, एजेंसी। सागर के बंडा विकासखंड में उल्दन बांध परियोजना से वंचित ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर धसान नदी में उतरकर जल सत्याग्रह किया। प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें परियोजना की विस्थापन सूची में शामिल नहीं किया गया, जबकि उनके घर डूब क्षेत्र में आ रहे हैं। प्रशासनिक अनदेखी से नाराज़ ग्रामीणों ने महिलाओं और बच्चों के साथ मिलकर नदी में बैठकर विरोध जताया।

डूब क्षेत्र में होने के बावजूद सूची से बाहर : बंडा के कुल्ल, बहरोल, सेमरा अहीर, पिपरिया इल्लाई और किरोला गांवों के सैकड़ों लोग उल्दन बांध के कारण प्रभावित हो रहे हैं। पूर्व विधायक तरवर सिंह के अनुसार, बहरोल के करीब 300, कुल्ल और पिपरिया के 200-200 और किरोला के 50 परिवारों को विस्थापन सूची से बाहर कर दिया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पात्रों को शासन द्वारा निर्धारित मुआवजा– ?6.36 लाख– का लाभ मिले और बांध प्रभावित सूची में सभी को दोबारा सर्वे के जरिए जोड़ा जाए।

जल सत्याग्रह में महिलाएं और बच्चे भी शामिल : रविवार को हुए सत्याग्रह में गांव के पुरुष, महिलाएं और बच्चे धसान नदी के पानी में उतरकर बैठ गए। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आहत होकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

प्रशासन मौके पर पहुंचा, मिला एक सप्ताह का समय : जल सत्याग्रह की जानकारी मिलते ही बंडा के एसडीएम रवीश श्रीवास्तव और एसडीओपी प्रदीप वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाइश देकर शांत किया। प्रशासन ने एक सप्ताह में मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने आंदोलन स्थगित कर दिया। प्रभावितों ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

2018 में हुआ था सर्वे, फिर हटाए गए नाम : बहरोल निवासी चंद्रभान सिंह ने बताया कि 2018 में हुए सर्वे में पूरे मोहल्ले को डूब क्षेत्र में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में 6 परिवारों को सूची से हटा दिया गया। ये परिवार शासन की योजनाओं के सभी लाभों से वंचित हैं और एक साल से दोबारा सर्वे की मांग कर रहे हैं, पर कोई सुनवाई नहीं हो रही।

आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में रखने का विरोध, जबलपुर में पीपल पीस फाउंडेशन ने प्रदर्शन किया; कहा- जानवरों की आजादी छीनी जा रही

जबलपुर, एजेंसी। पीपल पीस फाउंडेशन ने आज जबलपुर घंटाघर में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का विरोध किया जिसमें आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया गया है। इस विरोध प्रदर्शन में फाउंडेशन के सदस्यों ने मौन रहकर घंटाघर पर अपनी बात रखी और ज्ञापन सौंपा।

फाउंडेशन के सदस्यों ने इस फैसले को आवारा कुत्तों के प्राकृतिक जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का हनन बताया। उनका कहना था कि इन जानवरों को सीमित और बंद जगह पर रखना उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन बेजुबान जानवरों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है, और उन्हें पिंजरों में बंद करना इस कर्तव्य के विपरीत है।

पीपल पीस फाउंडेशन का यह विरोध प्रदर्शन इस बात पर जोर देता है कि जानवरों के अधिकारों को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाना चाहिए जितना कि इंसानों के अधिकारों को। उनका मानना है कि इन जानवरों को उनकी प्राकृतिक जगह पर ही रहने देना चाहिए और उनके लिए बेहतर वातावरण बनाने पर काम करना चाहिए, न कि उन्हें बंद करके रखना।

फाउंडेशन की एक सदस्य, आरती, ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि जानवरों को शेल्टर होम में इसलिए रखा जाता है क्योंकि वे वोट नहीं देते। उन्होंने सरकार की राशन योजनाओं पर भी सवाल उठाया और कहा कि जो राशन लोगों को आलसी बना रहा है, उसे इन बेजुबान जानवरों को देना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगें नायब तहसीलदार राजा राम कोल को ज्ञापन के रूप में सौंपी। नायब तहसीलदार ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन स्वीकार कर लिया गया है और इसे जल्द से जल्द प्रधानमंत्री,राष्ट्रपति तक पहुंचाया जाएगा।

छात्र ने शिक्षिका पर पेट्रोल डालकर आग लगाई, 15 अगस्त को साड़ी पहनने पर कमेंट किया था; शिकायत से नाराज होकर घर पहुंचकर वारदात की

नरसिंहपुर, एजेंसी। नरसिंहपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर उत्कृष्ट विद्यालय की अतिथि शिक्षिका पर उसी स्कूल के छात्र ने पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। टीचर करीब 25 प्रतिशत झुलस गई है। उसे जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मुताबिक आरोपी सूर्यांश कोचर (18) पिता वीरेंद्र कोचर एक्सीलेंस स्कूल का छात्र था। दोनों एक-दूसरे को जानते थे। 15 अगस्त के कार्यक्रम में टीचर ने साड़ी पहनी थी। इस पर आरोपी ने आपत्तिजनक कमेंट किया था। इसको लेकर पीड़िता ने शिकायत की थी, जिससे आरोपी गुस्से में था।

सूर्यांश कोचर, छात्र

पेट्रोल डाला और आग लगाकर भाग निकला : सोमवार को वह बोतल में पेट्रोल लेकर शिक्षिका स्मृति दीक्षित (26) के घर पहुंचा। शिक्षिका पर पेट्रोल डाला और आग लगाकर फरार हो गया। एसडीओपी मनोज गुप्ता ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए आरोपी को डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर से गिरफ्तार कर लिया। जांच की जा रही है।

शिकायतें आती थीं, इसलिए स्कूल से निकाला : एक्सीलेंस स्कूल के प्रिंसिपल जीएस पटेल ने बताया कि आरोपी हमारे यहां 9वीं तक पढ़ा है। उसकी तबीयत खराब रहती थी, साथ ही काफी शिकायतें आती थीं। वह अपनी उम्र से बड़े लोगों के साथ रहता था। इस कारण उसके माता-पिता को बुलाकर स्कूल से टीसी दे दी थी।

जिला अध्यक्षों को राहुल गांधी देंगे ट्रेनिंग,पंचायत स्तर तक बनेगी कमेटी; कांग्रेस का नया संगठन प्लान

सीहोर, एजेंसी। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए नई रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी ने हाल ही में सभी जिलों में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इन अध्यक्षों को 25 अगस्त को दिल्ली में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। कांग्रेस हाईकमान ने जिला अध्यक्षों को पंचायत और वार्ड कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। इन कमेटियों में एक छात्र, एक महिला और एक युवा का होना अनिवार्य किया गया है। कमेटी के लिए फॉर्मेट जल्द ही भेजा जाएगा। राहुल गांधी ने एमपी डीसीसी कनेक्ट नाम से एक आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप के माध्यम से जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही राहुल गांधी के दौरों और बयानों की जानकारी भी साझा की जाएगी।

15 दिन का विशेष प्रशिक्षण वर्ग भी होगा आयोजित : एक दिवसीय प्रशिक्षण के बाद 15 दिन का विशेष प्रशिक्षण वर्ग भी आयोजित किया जाएगा। इस नई व्यवस्था में जिला अध्यक्षों को अधिक अधिकार दिए गए हैं। संगठन का विकेंद्रीकरण किया जा रहा है, जिससे जिला अध्यक्ष अपने क्षेत्र में बेहतर काम कर सकेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने 25 अगस्त को होने वाली ट्रेनिंग की पुष्टि की है। इस दौरान उन्हें कार्य करने के तरीके और आगामी 15 दिवसीय प्रशिक्षण की जानकारी दी जाएगी।

नाबालिग ने छोटी बहन की गला दबाकर हत्या की:सतना में बाजार जाने की जिद कर रही थी, शव घर लाकर बोली- बेहोश हो गई

सतना, (निप्र)। सतना के कृपालपुर में नाबालिग बड़ी बहन ने ही अपनी छोटी बहन का गला दबाकर हत्या कर दी। घर में झूठी कहानी बताई। पुलिस ने सोमवार को नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। घटना कोलगवां के कृपालपुर की 16 अगस्त की है। 15 साल की लड़की ने पुलिस को बताया कि वह सुबह करीब 11 बजे बाजार जा रही थी। छोटी बहन उसके पीछे-पीछे मेन रोड तक आ गई। उसे वापस जाने को कहा, लेकिन वो जिद करने लगी। गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया। फिर उसे झाड़ियों में फेंक कर शहर चली गई। तीन घंटे बाद बाजार से लौटते समय, बहन का शव उठाकर घर लाई। परिजनों से कहा कि रास्ते में बेहोश हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों मे उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नाबालिग ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने बयान की पुष्टि के बाद सोमवार को नाबालिग को किशोर न्यायालय में पेश किया।

घर में बोली- बहन झाड़ियों में बेहोश मिली : नाबालिग ने घर में बताया, मैं पैदल मेन रोड तक आई। छोटी बहन भी पीछे आ गई। मैंने उसे घर जाने के लिए कहा और मैं ऑटो में बैठकर शहर चली गई। जब बाजार से लौटी तो बस स्टैंड के पास सड़क पर महक की चप्पल नजर आई। परेशान होकर उसे आसपास ढूंढने लगी। सड़क किनारे लगी झाड़ियों में महक बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। मैं उसे उठाकर घर ले आई।

पुलिस को घटनास्थल पर नहीं मिला कोई सुराग : पुलिस को पहले ही मौत का कारण पता चल गया था। वो परिवार के सामने अनजान बनी रही और अपनी जांच करती रही। घटनास्थल पर कोई भी साक्ष्य नहीं मिले, जिससे किसी पर शक किया जा सके। टीआई सुदीप सोनी ने बताया कि घटनास्थल के पास ही पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी खंगाले गए। फुटेज के आधार पर नाबालिग जब बाजार से लौटी तो सड़क के दाएं तरफ उतरी थी। ऐसे में उसे सड़क के बाएं तरफ महक की चप्पल कैसे दिख गई।

परिजन के सामने की गई काउंसलिंग : सोमवार को पोस्टमार्टम की फाइनल रिपोर्ट आने के बाद महिला पुलिस ने नाबालिग और परिवार के अन्य सदस्यों को बयान लेने के लिए थाने बुलाया। इसके बाद नाबालिग की काउंसलिंग शुरू की गई। कई दौर की बातचीत के बाद उसने सच्चाई बता दी। नाबालिग ने बताया, मैं रजरहा तालाब की मेड़ के किनारे होते हुए सतना-रीवा मेन रोड के लिए निकली थी, तभी छोटी बहन को देखा। उसे कई बार वापस जाने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं मानी। मैंने थप्पड़ भी मारे। फिर वह लगातार पीछा करती रही। रोड क्रॉस करने के दौरान हम दोनों का झगड़ा हुआ। गुस्से में छोटी बहन का गला दब गया और वह झाड़ियों में गिर गई। मैं ऑटो में बैठकर चली गई। लौटी तब तक गुस्सा ठंडा हो चुका था। वापस आने पर देखा तो छोटी बहन झाड़ियों में पड़ी थी। मैंने मदद के लिए आवाज लगाई। एक अंकल आए और उनकी मदद से बहन को उठाकर घर लाए। डर के कारण घर में झूठी कहानी बता दी। नाबालिग ने ये भी बताया कि वह छोटी बहन की जिद करने की आदत से परेशान थी। वह छोटी-छोटी बात मां को बता देती थी।

एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान सूर्यकुमार कप्तान, गिल उपकप्तान, जायसवाल-सुंदर रिजर्व प्लेयर, टूर्नामेंट 9 सितंबर से

मुंबई, (एजेंसी)। 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है। चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे टीम की घोषणा की। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव ही करेंगे, जबकि भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को दौरे के लिए उपकप्तान बनाया गया है। इस साल भारत क्रिकेट एशिया कप का मेजबान है। पाकिस्तान के भारत में खेलने से इनकार के बाद इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होगा। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से होगा। गिल को उपकप्तान बनाया भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। सिलेक्शन से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में गिल की टीम में जगह नहीं बताई जा रही थी। उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि आईपीएल में गिल ने 650 रन बनाए थे। सिराज और वाशिंगटन को मौका नहीं स्क्वॉड में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और हर्षित राणा को मौका मिला। हालांकि मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह नहीं मिली हैं। यशस्वी जायसवाल और सुंदर टीम के रिजर्व प्लेयर होंगे। बुमराह की टी-20 वर्ल्ड कप के बाद वापसी जसप्रीत बुमराह की टी-20 टीम में वापसी हुई हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेला था। आईपीएल में पंजाब किंग्स को फाइनल में पहुंचाने वाले श्रेयस अय्यर को भी टीम में नहीं चुना हैं।

तेज गेंदबाजी और स्पिन अटैक का दमदार संयोजन : गेंदबाजी में तेज अटैक का नेतृत्व जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह करते नजर आएंगे। वहीं स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को टीम में शामिल किया गया है, जिससे टीम का स्पिन अटैक भी मजबूत नजर आ रहा है।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है।

पहला मैच- 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरा मैच- एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच - अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारत को ग्रुप-ए में रखा, पाकिस्तान, यूएई, ओमान भी शामिल भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है।

सिंकफील्ड कप 2025, प्रज्ञानानंद ने पहले ही दौर में गुकेश को हराया

सेंट लुइस (मिसौरी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप 2025 के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को मात देकर जोरदार शुरुआत की। सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने शुरू से ही बढ़त बना ली थी और पूरे मुकाबले में गुकेश लय में नजर नहीं आए। अंततः गुकेश ने 36वीं चाल से पहले ही हार मान ली। जीत के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, मुझे नहीं पता आज गुकेश के साथ क्या हुआ। मुझे शुरुआत से ही अच्छी पोजिशन मिल गई थी। हाल के दिनों में मेरे उनके खिलाफ नतीजे अच्छे नहीं रहे थे। पिछले साल मैंने तीन जीते हुए मुकाबले गंवाए थे। दो साल से मैं उन्हें नहीं हरा पा रहा था, यहां तक कि रैपिड में भी नहीं, इसलिए यह जीत खास है। इस जीत से प्रज्ञानानंद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लाइव रेटिंग्स में अमेरिकी जीएम फाबियानो करूआना को पीछे छोड़ दिया। दूसरा निर्णायक मुकाबला अमेरिका के लेवोन अरोनियन और उज़्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव के बीच खेला गया, जिसमें अरोनियन ने काले मोहरों से जीत दर्ज की। दूसरे दौर में गुकेश का सामना अब्दुस्सत्तोरोव से होगा, जबकि प्रज्ञानानंद करूआना से भिड़ेंगे। खास बात यह है कि दोनों भारतीय खिलाड़ी इस दौर में भी सफेद मोहरों से खेलेंगे। सिंकफील्ड कप 2025 ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है और यह जीसीटी फाइनल्स से पहले का अंतिम क्लासिकल चरण है।

स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। इस खिताबी जीत से अमेरिकी ओपन से पहले स्वियाटेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को एक शक्तिशाली संदेश भेजा है। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक ने खिताब तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सभी छह ब्रेक पॉइंट्स को भुनाकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता और पिछले साल के इटैलियन ओपन के बाद यह उनका पहला खिताब था। वह अब डब्ल्यूटीए 1000 फॉर्मेट के इतिहास में दूसरी सर्वकालिक विजेता हैं। वह केवल सेरेना विलियम्स (23) से पीछे हैं। खिताबी जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसे टूर्नामेंट क्यों जीते, जो पिछले टूर्नामेंटों जैसे थे, जहां मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगी। मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनने और इन तेज सतहों पर खेलना सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। मैं हैरान और बेहद खुश हूं। मैच में पाओलिनी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। फिर भी, पोलिश खिलाड़ी ने पांच गेम की बढ़त के साथ जवाब दिया और पहला सेट सर्व करने का अपना पहला मौका गंवाने के बाद, दूसरे प्रयास में उसे जीत लिया। स्वियाटेक ने दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखी और 4-3 के स्कोर पर दो ब्रेक पॉइंट बचाए। फिर अपनी पकड़ मज़बूत बनाए रखते हुए खिताब से एक गेम दूर पहुंच गई। उन्होंने पहले ही मौके पर शानदार सर्विस के साथ जीत पक्की कर ली और इतालवी खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 6-0 का कर लिया। इस जीत से विंबलडन चैंपियन स्वियाटेक दुनिया की दूसरे लेंगी, जहां रविवार से एकल मुकाबले शुरू होंगे।

सिनसिनाटी ओपन 2025, अल्कराज को खिताब, पहले सेट में ही सिनर बीमार होकर रिटायर

सिनसिनाटी, एजेंसी । विश्व नंबर-2 स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सोमवार को अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीत लिया। खिताबी मुकाबला महज 20 मिनट चला क्योंकि मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 जैनिक सिनर पहले सेट के दौरान अस्वस्थ महसूस करने पर मैच से हट गए। 24 साल के सिनर, जिन्होंने शनिवार को ही जन्मदिन मनाया था, शुरुआती सेट में 0-5 से पिछड़ रहे थे जब उन्होंने चेयर अंपायर को खेल जारी न रख पाने की जानकारी दी। शुरुआती गेम से ही उनके खेल में कमजोरी नजर आई और वे अपनी सर्विस पर एक भी अंक नहीं जुटा सके। पांचवां गेम डबल फॉल्ट से गंवाने के बाद उन्होंने सिर पर आइसपैक रखा और जल्द ही डॉक्टर को बुलाकर अल्कराज से हाथ मिला लिया।

सिनर लगातार दूसरी बार सिनसिनाटी ओपन जीतकर रोजर फेडरर (2014-15) के बाद इतिहास रचने की कोशिश में थे। वे हार्ड कोर्ट पर 26 मैचों की जीत की लय के साथ उतरे थे। मैच के बाद उन्होंने कहा, मुझे बहुत खेद है कि आपको निराश करना पड़ा। कल से ही तबीयत ठीक नहीं थी और रातभर हालत और बिगड़ गई। कोशिश की कि थोड़ा मैच खेल सकूं लेकिन आगे जारी रखना संभव नहीं था। इससे उनके यूएस ओपन 2025 के मिक्स्ड डबल्स मुकाबले में खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है, जहां वे चेकिया की कतेरीना सिनीकोवा के साथ मंगलवार को उतरने वाले हैं। 22 वर्षीय अल्काराज़ ने सिनर के हालात पर सहानुभूति जताते हुए कहा,मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसी परिस्थितियों से आप और मजबूत होकर वापसी करेंगे, यही असली चैंपियन करते हैं। यह इस साल अल्कराज और सिनर के बीच चौथा मुकाबला था और सभी फाइनल रहे। विंबलडन फाइनल में सिनर ने अल्कराज को हराया था, जबकि रोलां गैरो में अल्कराज ने तीन चैंपियनशिप प्वाइंट बचाकर जीत दर्ज की। इटैलियन ओपन में भी अल्कराज ने सीधे सेटों में बाजी मारी थी।

द हंड्रेड, सैम करन और कॉक्स के दम पर ओवल इनविंसिबल्स की शानदार जीत

लंदन, एजेंसी। ओवल इनविंसिबल्स ने द हंड्रेड में अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए सोमवार को सदर्न ब्रेव को सात विकेट से हराकर सीज़न की पांच में चौथी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में जॉर्डन कॉक्स और सैम करन की दमदार पारियों के अलावा राशिद खान की गेंदबाजी ने निर्णायक भूमिका निभाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए सदर्न ब्रेव की शुरुआत बेहद खराब रही। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन बेहरनडॉर्फ ने कप्तान जेम्स विंस और ल्यूस डु प्लोय को सस्ते में निपटाया। इसके बाद टॉम करन ने लॉरी इवांस को आउट कर ब्रेव को और दबाव में डाल दिया। इसी बीच राशिद खान ने शानदार वापसी करते हुए महज पांच गेंदों में तीन विकेट चटका दिए। उन्होंने पहले जेसन रॉय और माइकल ब्रेसवेल को लगातार गेंदों पर आउट किया और फिर जेम्स कोल्स को एलबीडब्ल्यू कर ब्रेव को 44/6 पर ला खड़ा किया।

हालांकि हिल्टन कार्टराइट और जॉर्डन थॉम्पसन ने निचले क्रम में बहुमूल्य रन जोड़े। दोनों ने क्रमशः सातवें और आठवें विकेट के लिए अहम साझेदारियां निभाई और टीम को 133 रन तक पहुंचाया। सैम करन ने अंत में दो विकेट लेकर उनकी पारी समेट दी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ओवल इनविंसिबल्स की शुरुआत भी लड़खड़ाई जब क्रेग ओवरटन ने विल जैक्स और तवांडा मुयेये को जल्दी आउट कर दिया। लेकिन इसके बाद जॉर्डन कॉक्स और सैम कर्रन ने मोर्चा संभाल लिया। कॉक्स ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए लगातार चौथे मैच में रन बनाए और ताबड़तोड़ शॉट्स से अर्धशतक जड़ा। कर्रन ने भी आकर्षक शॉट्स खेले और छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

हालांकि कॉक्स को मिल्स ने आउट किया, लेकिन तब तक मैच लगभग खत्म हो चुका था। कप्तान सैम बिलिंग्स ने आते ही तीन चौके लगाए और कर्रन ने विजयी शॉट खेलकर मुकाबले को 11 गेंदें शेष रहते समाप्त किया। इस जीत के साथ ओवल इनविंसिबल्स अंक तालिका में शीर्ष पर मजबूती से कायम है। सदर्न ब्रेव - 133 (98 गेंदों में, हिल्टन कार्टराइट 42; राशिद खान 3/20, सैम कर्रन 3/21)

लान टेनिस-बैडमिंटन प्रतियोगिता में डाक्टरों ने दिखाया हुनर, प्रतियोगिता में 40 डाक्टरों ने किया प्रतिभाग

मुरादाबाद, एजेंसी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय लान टेनिस और बैडमिंटन टूर्नामेंट का आज समापन हो गया। टूर्नामेंट में टेनिस सिंगल विनर में डा. मनु शेखर, टेनिस डबल्स विनर में डा. अनुराग अग्रवाल और डा. अरुण कुमार, बैडमिंटन सिंगल्स विनर में डा. वजाहत काजी, बैडमिंटन डबल्स विनर डा. अनुराग दूबे और डा. वजाहत काजी, टेनिस सिंगल सेकंड पोजिशन में डा. अनुराग अग्रवाल, टेनिस डबल्स सेकंड पोजिशन में डा. पीके गुप्ता, डा. दीपांशु गुप्ता, बैडमिंटन सिंगल सेकंड पोजिशन में डा. विशाल रस्तोगी, बैडमिंटन डबल्स सेकंड पोजिशन में डा. विशाल रस्तोगी और डा. निजामुद्दीन शेख रहे। यह प्रतियोगिता 17 अगस्त से 19 अगस्त तक रही। टूर्नामेंट संयोजक डा. आनंद चौधरी ने बताया कि इसका मकसद लोगों को जागरूक करना है। डाक्टर्स के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आपसी जान-पहचान और सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में करीब 40 डाक्टरों ने प्रतिभाग किया। वरिष्ठ चिकित्सक डा. बीके दत्त, डा. अनुराग अग्रवाल, डा. पीके गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। सचिव डा. सुदीप कौर, स्पोर्टर्स सचिव डा. विभोर जैन आदि रहे।

डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डा. सैयद मो. रजी ने बताया कि आराम तलब जिंदगी की वजह से लोग डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए शारीरिक व्यायाम फायदेमंद है। संतुलित खानपान के अलावा प्रतिदिन 40-50 मिनट तक व्यायाम करें या फिर कोई एक खेल ऐसा चुने जिसमें कम से कम एक घंटा वह शारीरिक मेहनत कर सकें।

महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान, शेफाली का चयन नहीं, रेणुका की वापसी

मुंबई, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला टीम का एलान कर दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी और स्मृति मंधाना की उपकप्तानी में भारतीय टीम पहली बार खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। इस टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंह ठाकुर की वापसी हुई है जबकि शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है।

भारत-श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे मुकाबल: भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस साल महिला वनडे विश्व कप का आयोजन होगा। यह वैश्विक टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसका फाइनल मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है।

इस वैश्विक टूर्नामेंट का आयोजन 12 साल बाद भारत में किया जाएगा। पहला सेमीफाइनल मुकाबला 29 अक्तूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच 30 अक्तूबर को बंगलूरू में खेला जाएगा। फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमों को तैयारियों के लिए दो दिन का समय मिलेगा। महिला वनडे विश्व कप का खिताबी मुकाबला दो नवंबर को बंगलूरू या कोलंबो में खेला जाएगा।

आठ टीमें लेंगी हिस्सा : महिला वनडे विश्व कप में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के तौर पर उतरेगी। उसने 2022 में न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को हराया था। ऑस्ट्रेलिया सात बार खिताब जीत चुकी है और वह टूर्नामेंट इतिहास की सबसे सफल टीम है। भारत पहले इसका इकलौता मेजबान था लेकिन टूर्नामेंट के मैच अब बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। कोलंबो को इसलिए जोड़ा गया है क्योंकि पाकिस्तान आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए भारत नहीं आयेगा और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई थी।

भारत के मुकाबले : भारतीय टीम श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ खेलने के बाद नौ अक्तूबर को दक्षिण अफ्रीका और 12 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में खेलेगी। टीम 19 अक्तूबर को इंदौर में इंग्लैंड से भिड़ेगी और फिर 23 अक्तूबर को गुवाहाटी में उसके सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी। भारतीय टीम 26 अक्तूबर को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बांग्लादेश का सामना भी करेगी।

महिला विश्व कप 2025 के भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

इसके अलावा बीसीसीआई की चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा।

दुर्ग जिले में अब तक 606.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग, एजेंसी। जिले में 1 जून 2025 से 18 अगस्त 2025 तक 606.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 796.7 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 437.5 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है।

इसके अलावा तहसील बोरी में 553.2 मिमी, तहसील अहिवारा में 684.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 533.6 मिमी और तहसील दुर्ग में 631.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 18 अगस्त 2025 को तहसील दुर्ग में 0.4 मिमी, तहसील धमधा में 0.0 मिमी, तहसील पाटन में 7.2 मिमी, तहसील बोरी में 8.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 1.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

30 सितंबर के स्थान पर 28 अगस्त को स्थानीय अवकाश घोषित

पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश में परिवर्तन

दुर्ग, एजेंसी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सामान्य पुस्तक परिपत्र में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कैलेण्डर वर्ष 2025 के लिए पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश में परिवर्तन किया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार उन्होंने पूर्व में घोषित दशहरा (महाअष्टमी) के अवसर पर 30 सितंबर दिन मंगलवार अवकाश को परिवर्तित कर नवाखाई (नुआखाई) ऋषि पंचमी 28 अगस्त 2025 दिन गुरूवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया है।

इण्डस्ट्री बैंकर्स मीट का आयोजन 20 अगस्त को

दुर्ग, एजेंसी। भारत सरकार की रैम्प योजना अंतर्गत एमएसएमई उद्यमियों के लिये इण्डस्ट्री बैंकर्स मीट का आयोजन 20 अगस्त 2025 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से होटल अमित पार्क इंटरनेशनल भिलाई में आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण योजनाओं एवं वित्तीय सहायता की उपलब्धता से अवगत/लाभान्वित कराना एवं उनके समक्ष आने वाली वित्तीय चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करना है। मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दुर्ग ने जिले के उद्यमी, चेम्बर ऑफ कामर्स के प्रतिनिधि, वित्तीय संस्थान, बैंक, आईसीएआई, जिले के पीएमएफएमई योजना के आवेदकों तथा एमएसएमई से संबंधित समस्त अन्य स्टेक होल्डर्स से कार्यशाला में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

अग्निवीर भर्ती 2025-26 हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन

निर्धारित तिथि 31 अगस्त से 01 सितबर 2025 तक

दुर्ग, एजेंसी। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत केन्द्रीय नियंत्रण श्रेणी में आने वाले पदों सिपाही फार्मा, सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक, घर्म गुरू (जेसीओ), जेसीओ केटरिंग, एजुकेशन हलवदार और हवलदार ओटोमेटेड कार्टोग्राफर आदि की भर्ती हेतु 31 अगस्त 2025 एवं 01 सितम्बर 2025 को स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स स्टेडियम विदिशा (मध्यप्रदेश) निर्धारित किया गया है।

इन पदों के लिए माह जुलाई 2025 में सेना द्वारा आयोजित कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सी.ई.ई) में सफल हुए उम्मीदवार ही इस रैली में भाग ले सकेंगे तथा इस रैली के दौरान उम्मीदवारों की शारीरिक दक्षता, दस्तावेजों की जांच और चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उप संचालक से मिली जानकारी अनुसार रैली में भाग लेने वाले योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जल्द ही उनके ई-मेल पर भेज दिया जाएगा। भर्ती में भाग लेने के लिए एडमिट कार्ड, समस्त आवश्यक दस्तावेज एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाईल नम्बर अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-2965212/0788-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारी बारिश के चलते विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर रद्द

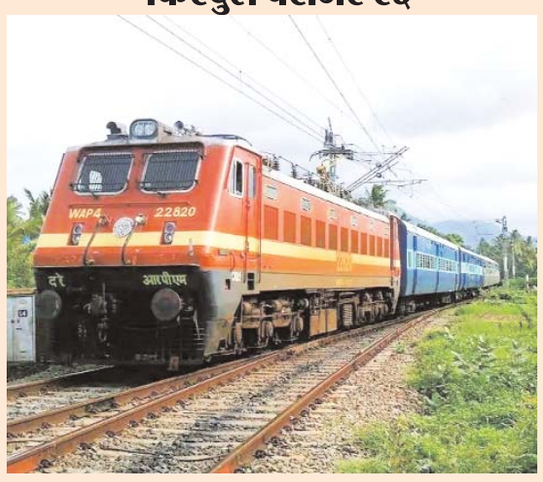

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर संभाग में मौसम विभाग के द्वारा जारी अलर्ट के बाद से लगातार दो दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते केके रेललाइन पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं पिछले तीन दिनों से आंध्रप्रदेश के अरकू और ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र में लगातार मूसलाधार वर्षा हो रही है। इस स्थिति को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई ट्रेनों का मार्ग बदल दिया है। रेलवे द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि लगातार बारिश से भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। इसी कारण अगले दो दिन यानी 18 और 19 अगस्त को विशाखापत्तनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस को विजयनगरम और रायगढ़ा मार्ग से संचालित किया जाएगा।

इसके अलावा आज विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर ट्रेन केवल अरकू तक और किरंदुल-विशाखापत्तनम पैसेंजर केवल कोरापुट तक ही चलाई जाएगी । रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले समय सारिणी की पुष्टि अवश्य कर लें। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिससे संकेत मिलता है कि बारिश और तेज़ हो सकती है । इस स्थिति को देखते हुए कल यानी 19 अगस्त को दोनों ओर से पैसेंजर ट्रेनें पूरी तरह से रद्द रहेंगी। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे लगातार हालात पर नज़र रखे हुए है और आवश्यक निर्णय ले रहा है।

सुरगी उपकेन्द्र में 72 लाख रूपये की लागत से स्थापित किया गया 05 एम.व्ही.ए. का नया पॉवर ट्रांसफार्मर

राजनांदगांव, एजेंसी। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अन्तर्गत राजनांदगांव जिले के ग्रामीण अंचलों में बिजली उपभोक्ता एवं किसानों को भरपूर वोल्टेज पर निर्बाध व गुणावत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करने के लिए विद्यमान पॉवर सबस्टेशनों में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर क्षमता वृद्धि का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जा रहा है।

इस योजना के तहत राजनांदगांव ग्रामीण उपसंभाग के अन्तर्गत सुरगी 33/11 के0व्ही0 सबस्टेशन की क्षमता को बढ़ाकर 05 एम0व्ही0ए0 के नये पॉवर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर राजनांदगांव वृत के अधीक्षण अभियंता शंकेश्वर कंवर ने ऊर्जीकृत किया।

ग्राम सुरगी उपकेन्द्र की क्षमता पहले 3.15 एम0व्ही0ए था, अब 05 एम0व्ही0ए0 के नये पॉवर ट्रांसफार्मर के लगाये जाने से इस उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 05 ए0व्ही0ए0 हो गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव क्षेत्र के

कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट ने बताया कि यह कार्य मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगभग 72 लाख रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है। उन्होंने बताया कि सबस्टेशन में पहले से मौजूदा 3.15 एम0व्ही0ए0 का पॉवर ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाता था। खासकर धान की फसल के मौसम में लोड शेडिंग एवं लो वोल्टेज की समस्या होती थी, उक्त कार्य से लो वोल्टेज एवं लोड शेडिंग जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। ईडी सेलट ने उक्त कार्य को क्षेत्र में उपभोक्ताओं एवं किसानों के हित में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए सराहनीय बताते हुए कहा कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र सुरगी में 05 एमव्हीए के पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्राम सुरगी, कोटराभाटा, आरला, बूचीभारदा, कुम्हालोरी, बेलटिकरी, मुड़पार एवं मालपुरी के 3730 उपभोक्ता एवं किसानों को फायदा होगा। उन्होने अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त शंकेश्वर कंवर, ईई परियोजना मुकेश कुमार साहू, सहायक अभियंता प्रकाश नारायण वर्मा, एस0पी0 ठाकुर, आर0के0 साहू, कनिष्ठ यंत्री सुश्री एकता साहू एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि पॉवर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपभोक्ताओं एवं किसानों तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहें हैं। अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगने से किसानों एवं उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

कलेक्टर ने खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्य का किया निरीक्षण

डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं कुशलतापूर्वक होना चाहिए

राजनांदगांव, एजेंसी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बोईरडीह में खेतों में पहुंचकर डिजिटल फसल सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ग्राम में खरीफ वर्ष 2025-26 में लगाए गए फसलों के डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं कुशलतापूर्वक होना चाहिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्यो का सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य शीघ्र करें। उन्होंने सर्वेक्षणकर्ता द्वारा डिजिटल फसल सर्वेक्षण अंतर्गत किए गए प्रविष्टियों का संबंधित राजस्व निरीक्षक द्वारा सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वेक्षणकर्ता द्वारा डिजिटल फसल सर्वेक्षण अंतर्गत किए गए कार्यों का संबंधित हलका पटवारी द्वारा पर्यवेक्षण प्रतिदिन करने के लिए कहा। कलेक्टर ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु निर्धारित तिथि तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण से लाभान्वित करने की आवश्यकता है।

845 नव पदोन्नत प्राचार्यों के पदांकन हेतु 20 से 23 अगस्त तक रायपुर में ओपन काउंसिलिंग

राजनांदगांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राचार्य (टी-संवर्ग) के पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं। इन पदोन्नत प्राचार्यों के पदांकन हेतु ओपन काउंसिलिंग का आयोजन 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर रायपुर में किया जाएगा। इस काउंसिलिंग में कुल 845 नव पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे। ष्काउंसिलिंग का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से निर्धारित है। प्रत्येक दिन प्रथम पाली में 150 और द्वितीय पाली में 150 इस प्रकार प्रत्येक दिन कुल 300 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा। काउंसिलिंग की तिथि एवं समय की जानकारी पदोन्नत प्राचार्यों की सूची तथा रिक्त पदों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट https://eduportal-cg-nic-in/ पर उपलब्ध कराई गई है। काउंसिलिंग प्रक्रिया में प्राथमिकता का निर्धारण वरिष्ठता और नियमावली के अनुसार किया जाएगा। व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला के पदोन्नति आदेश के लिए काउंसिलिंग हेतु प्राथमिकता निर्धारण (प्रथम चार का क्रम निर्धारण) व्याख्याता, व्याख्याता (एल.बी.), प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला की वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति आदेश के सरल क्रमांक के अनुसार एक अनुपातिक सूची (व्याख्याता, व्याख्याता (एल.बी.) प्रधान पाठक (माध्यमिक शाला) 2=1=1 में तैयार की गई है। उपरोक्त अनुपात भर्ती तथा पदोन्नति नियम के अनुसार व्याख्याता 65 प्रतिशत (व्याख्याता 70 प्रतिशत तथा व्याख्याता एल.बी. का कोटा 30 प्रतिशत है) जबकि प्रधान पाठक (मा.शाला) 25 प्रतिशत के आधार पर निर्धारित है। सर्वप्रथम एक वर्ष से कम अवधि के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला को वरिष्ठता के आधार पर संस्था चयन हेतु प्राथमिकता दी जाएगी। काउंसिलिंग प्रक्रिया में दिव्यांग (महिला एवं पुरुष) को पहले प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात् महिला तथा इसके बाद पुरूष वर्ग को वरिष्ठता के क्रम में संस्था चयन हेतु प्राथमिकता दी जाएगी। सभी पदोन्नत प्राचार्यों को अपने वर्तमान संस्था प्रमुख से प्रमाणित सेवा प्रमाण पत्र, मूल पदस्थापना संबंधी जानकारी तथा शासन द्वारा मान्य फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। दिव्यांग अभ्यर्थियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। काउंसिलिंग हेतु वेटिंग हॉल सेमिनार कक्ष क्रमांक 1 एवं काउंसिलिंग कक्ष क्रमांक 2 निर्धारित किए गए हैं। दोनों कक्षों में केवल अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। काउंसिलिंग में अनुपस्थित रहने वाले प्राचार्यों को अंतिम दिन 23 अगस्त को अवसर दिया जाएगा।

पानी निकासी की अव्यवस्था से सड़कों में जलभराव

कोंडागांव, एजेंसी। जिला मुख्यालय स्थित चौपाटी चौक जो पुराने एसपी कार्यालय के समीप स्थित है, इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है।

लगातार हो रही बारिश के चलते इस व्यस्तम मार्ग पर पानी भर गया है, जिससे आम नागरिकों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्थिति अचानक नहीं बनी है। सड़क के किनारे बने नालों की मानसून पूर्व नियमित सफाई न होने से यह समस्या और भी विकराल हो गई है। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नही होने के कारण थोड़ी सी बारिश में ही सड़कें लबालब हो जाती हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शहर के अन्य वार्डों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। कई वार्डों में जलभराव से गलियां कीचड़ में तब्दील हो गई हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।बारिश के मौसम में जब प्रशासन को पहले से तैयारी करनी चाहिए थी, तब नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को नजरअंदाज कर दिया गया। यही लापरवाही अब आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन रही है। नगरवासियों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप करते हुए जल निकासी की व्यवस्था सुधारें और स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए।

स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारी हुए सम्मानित

जशपुरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप जिला प्रशासन जशपुर द्वारा कुपोषण की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आईआईटी मुंबई की टीम के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत स्तनपान के 45 बिंदु, पोषण आहार एवं पूरक आहार जैसे विषयों पर आधारित एक ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल

विकास विभाग के लगभग 5,000 कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य विभाग के 5 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 5 कर्मचारियों को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने सभी सम्मानित कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले में कुपोषण उन्मूलन हेतु निरंतर समर्पित प्रयास जारी रहेंगे।

परलकोट जलाशय हुआ लबालब, पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

कांकेर, एजेंसी। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से परलकोट का सबसे बड़ा जलाशय इन दिनों अपनी पूरी क्षमता तक भर चुका है। परलकोट जलाशय परलकोट क्षेत्र के लोगों के लिए एक वरदान है, जो इस इलाके की खेती के लिए सिंचाई का मुख्य आधार है। जलशय पूरी तरह भर जाने से किसानों के चेहरों पर भी खुशी झलक रही है। वहीं जलाशय से जुड़ी नहरों का लाइनिंग जीर्णोद्धार कार्य भी किया जा रहा है जिससे सिंचाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। दंडकारण्य परियोजना के तहत निर्मित यह विशाल परलकोट जलाशय लगातार हो रही बारिश से लबालब भरकर स्पिलवे से बहता जलप्रवाह अद्भुत और मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है । इसे देखने के लिए आसपास के गांवों और दूर-दराज से लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बच्चे युवा और बुजुर्ग उत्साह के साथ इस प्राकृतिक नजारे का आनंद उठा रहे हैं । परलकोट जलाशय अब एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट बन चुका है, जहां लोग परिवार और मित्रों के साथ आकर सुकून और मनोरंजन का अनुभव कर रहे हैं। स्थानीय निवासी मलय दास और नृपेन हालदार ने बताया कि क्षेत्रवासियों की मांग है कि सरकार को परलकोट जलाशय को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और क्षेत्र का आर्थिक विकास हो।

कौशल विकास प्रशिक्षण से युवाओं को मिला रोजगार के बेहतर अवसर

- युवाओं ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

जशपुरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश के छात्र-छात्राओं को कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला जशपुर के लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में संचालित नवगुरुकुल शिक्षण संस्थान के माध्यम से बारहवीं उत्तीर्ण छात्राओं तथा स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम से जुड़ने की इच्छुक युवतियों को बिजनेस एवं टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं को हॉस्टल, भोजन एवं लैपटॉप जैसी आवश्यक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों

की बेटियाँ भी आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकें। कुनकुरी की कुमारी नेहा खाखा ने 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद नवगुरुकुल में प्रवेश परीक्षा पास कर फाइनेंस स्किल प्रोग्राम जॉइन किया। एक वर्ष के अध्ययन उपरांत आज वे इसी संस्थान में एसोसिएट टीचर के रूप में कार्यरत हैं और प्रतिमाह ?15,000 का वेतन प्राप्त कर रही हैं। वे कहती हैं कि नवगुरूकुल ने मेरी जिंदगी की दिशा बदल दी। यहाँ आकर मैंने एआई फीचर और गूगल शीट जैसे आधुनिक टूल्स को सीखा। आज मैं न सिर्फ खुद आत्मनिर्भर हूँ बल्कि अन्य छात्राओं को पढ़ाकर उन्हें भी आगे बढ़ा रही हूँ।

पत्थलगाँव की कुमारी वृंदावती यादव ने कॉलेज के माध्यम से नवगुरूकुल के बारे में जानकारी प्राप्त की और प्रोग्रामिंग स्कूल जॉइन किया। 15 माह के कोर्स उपरांत वे आज पार्ट-टाइम इंटर के रूप में कार्य कर रही हैं और प्रतिमाह ?13,000 कमा रही हैं। ÷मुझे लगा था कि आर्थिक स्थिति के कारण मैं आगे नहीं बढ़ पाऊँगी, लेकिन नवगुरूकुल ने मेरे सपनों को पंख दिए। आज मैं पढ़ाई के साथ काम कर रही हूँ और खुद को तकनीकी रूप से सक्षम महसूस करती हूँ।

बगीचा की कुमारी उषा यादव को बचपन से ही डिजाइनिंग का शौक था, परंतु पारिवारिक आर्थिक स्थिति के कारण वे ग्राफिक डिजाइनिंग का कोर्स नहीं कर पाई। नवगुरूकुल से जुड़कर उन्होंने निःशुल्क ग्राफिक डिजाइनिंग सीखी और अब बिजनेस स्कूल में भी अध्ययन कर रही हैं।नवगुरूकुल ने मुझे वह अवसर दिया जिसकी मुझे हमेशा चाह थी। यहाँ आकर मैंने प्रोफेशनल ग्राफिक डिजाइनिंग सीखी। अब मैं बिजनेस की पढ़ाई कर रही हूँ और आगे खुद का स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रही हूँ।

कोंडागांव जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने एक बाल विवाह पर लगाई रोक

कोंडागांव, एजेंसी। जिले के ग्राम पंचायत चिखलपुट्टी में एक नाबालिग बालिका का विवाह कराए जाने की सूचना पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बाल विवाह को समय रहते रोक लिया। इस कार्यवाही को मिशन वात्सल्य के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग और चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम चिखलपुट्टी निवासी यशोदा (परिवर्तित नाम), उम्र 16 वर्ष का विवाह योगेश (परिवर्तित नाम), उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम लंजोड़ा, थाना फरसगांव, के साथ तय किया गया था। संयुक्त जांच दल ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से मुलाकात की और शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच की। दस्तावेज़ों से पुष्टि हुई कि बालिका की जन्मतिथि 7 फरवरी 2009 और बालक की जन्मतिथि 23 सितंबर 2006 है, जो कि कानूनी वैवाहिक आयु से कम पाई गई। बालिका के माता-पिता नहीं हैं और वह अपने दादा-दादी के साथ निवास करती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा